श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 193

भिलाई, रविवार 1 मई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

महंगाई की एक और मारः एलपीजी सिलेंडर के दामों में 100 रुपये से अधिक का इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में महंगाई से परेशान लोगों को एक और झटका लगा है। दरअसल, कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आज यानी एक मई से 100 रुपये से अधिक का इजाफा हो गया है। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को अभी राहत मिली हुई है। बता दें कि पिछले महीने यानी एक अप्रैल को कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 250 रुपये का इजाफा हुआ था। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार दिल्ली के लोगों को आज से 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के लिए 2355.50 रुपये भुगतान करने होंगे। इससे पहले 2253 रुपये ही लगते थे। वहीं, कोलकाता में इसकी कीमत 2351 रुपये से बढ़कर 2455 रुपये हो गई है। मुंबई में 2205 रुपये की जगह 2307 रुपये अब खर्च करने होंगे। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें बढ़कर 2406 रुपये की जगह 2508 रुपये हो गई हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशनः तटरक्षक बलों ने लगाई जान की बाजी, डूबते जहाज से छह लोगों को बचाया

केरल (एजेंसी)। केरल के बेपोर में डूब रहे जहाज को बचाने के लिए भारतीय तटरक्षक बलों ने अपनी जान की बाजी लगा दी। मामला शनिवार रात का है। तटरक्षक बलों को सूचना मिली कि बेपोर में एक पोत एमएसवी मालाबार डूब रहा है, इसके बाद भारतीय तटरक्षक जहाज सी-404 ने मोर्चा संभाला और सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

अधिकारियों के मुताबिक, केरल के बेपोर में देर रात सूचना मिली कि निर्माण सामग्री ले जा रहा एक पोत डूब रहा है। इसके बाद तुरंत भारतीय तटरक्षक जहाज सी-404 ने मोर्चा संभाल लिया और विपरीत परिस्थितियों में पोत में सवार सभी छह लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। अधिकारियों का कहना है चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। वे निर्माण सामग्री लक्ष्यद्वीप की ओर ले जा रहे थे।

चल पड़ा बासी का ट्रेंडः सीएम की अपील के बाद विधायक-मंत्री से लेकर, अधिकारी-कर्मचारियों ने श्रमिकों के सम्मान में खाया बोरे बासी

सीएम बघेल ने कहा श्रमिक समाज का अभिन्न अंग और विकास की आधारशिला है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक अपील पर आज यानि एक मई मजदूर दिवस अब छत्तीसगढ़ में 'बोरे बासी दिवस' में बदल गया। भले ही यह छत्तीसगढ़ तक सीमित हो लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसकी ब्रांडिंग करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। विधायक से लेकर मंत्री तक बोरे बासी व चटनी की ब्रांडिंग में ऐसे लगे कि दो दिन में ही सोशल मीडिया पर बोरे बासी व चटनी के वीडियो संदेशों की भरमार हो गई है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमवीरों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सीएम ने सुखमय और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि श्रमिक हमारे समाज का अभिन्न अंग और विकास की आधारशिला हैं। सीएम ने कहा एक मई को हर साल हम इन्हीं मेहनतकश लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मजदूर दिवस मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कामगारों की सामाजिक-आर्थिक खुशहाली के लिए प्रतिबद्धता प्रकट की। कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों सहित सभी जरूरतमंद लोगों के विकास का हरसंभव प्रयास कर रही है।

युवा पीढ़ी को कराएं आहार और संस्कृति के प्रति गौरव का अहसास

हमें हमारी युवा पीढ़ी को भी अपने आहार और संस्कृति के प्रति गौरव का अहसास कराना बहुत जरूरी है। बघेल ने अपील की है कि सभी मजदूर दिवस के दिन आमा के अथान और गोंदली के साथ हर घर में बोरे-बासी खाएं और अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करें।

सीएम बघेल की अपील के बाद छत्तीसगढ़ में अचानक बोरे बासी व चटनी को लेकर अगल तरह का माहौल बन गया है। लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी ब्लॉक स्तर पर मजदूरों का सम्मान समारोह आयोजित कर बोरे बासी व चटनी की रेसीपी परोसी गई। जो बोरे बासी गांव व गरीबों तक सीमित थी वह सीएम की अपील के बाद शहरी आबादी को भी आकर्षित करने लगी है।

इसी कार्यक्रम के तहत दुर्ग विधायक अरूण वोरा ने भी श्रमिकों के सम्मान में आज दुर्ग में श्रमिकों के साथ बैठकर बोरे बासी का स्वाद लिया। इस पर बड़ी संख्या में श्रमिक व कार्यकार्ता मौजूद थे। वहीं दुर्ग जिले के कलेक्टर डॉ. सरवेश्वर नरेन्द्र भूरे भी अपने पूरे परिवार के साथ श्रमिक दिवस (बोरे बासी दिवस) पर बासी, चटनी, प्याज, मिर्ची के साथ बासी का सेवन कर श्रमिकों के सम्मान में अपनी भूमिका निभाई।

मेहनतकशों के दैनिक भोजन का हिस्सा है बोरे-बासी

सीएम बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पारम्परिक रूप से मेहनतकशों के दैनिक भोजन का हिस्सा बोरे-बासी रहा है। बोरे बासी में सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडा रखने के साथ पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए भी यह रामबाण है। बघेल ने कहा है कि हमारी संस्कृति और परम्पराओं में स्वस्थ जीवन के कई सूत्र और रहस्य छुपे होते हैं, जिसे हमें जानने, पहचानने और अपनाने की जरूरत है।

वहीं सीएम बघेल की अपील के बाद प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी बोरे-बासी का स्वाद लिया, और छत्तीसगढ़ी भाषा में कहा कि बोरे-बासी हमर छत्तीसगढ़िया संस्कृति के अहम हिस्सा हे। इही कारन हमर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ह आज मजदूर दिवस के दिन बोरे-बासी खाके श्रम के सम्मान करे के बात कहे हे। मोला तो अब्बड़ मस्त लगे है, आप मन एक घांव खा के देखव, मस्त लगही।

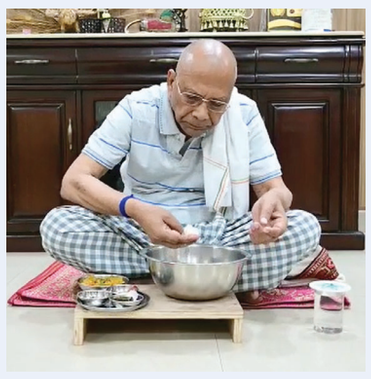

कोयले की कमी के कारण बिजली संकट ने तोड़ा 6 साल का रिकॉर्ड, इन राज्यों का हाल बेहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में भीषण गर्मी के बीच कोयले के संकट से बिजली संकट गहरा गया है। पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपरेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते छह वर्षों में पहली बार इस तरह का बिजली संकट हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार देश में अप्रैल-2022 के पहले 27 दिन में मांग की तुलना में 1.88 बिलियन यूनिट बिजली का संकट रहा है जिसने बीते छह साल के बिजली संकट के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को देश में 2,07,11 मेगावॉट बिजली की मांग रही जिसने अबतक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। 26 अप्रैल को बिजली आपूर्ति की तुलना में मांग इतनी

अधिक हो गई थी कि देश में 8.22 गीगावॉट बिजली का संकट हो गया था। ऊर्जा मंत्रालय की मानें तो इस वर्ष मार्च में बिजली की मांग में 8.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यही नहीं मंत्रालय का कहना है कि बिजली की मांग ऐसे ही जारी रही तो मई- जून में बिजली की मांग 215 से 220 गीगावॉट हो सकती है।

इन राज्यों में बिजली कटौती सबसे अधिक

कोयला संकट के कारण हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर समेत अन्य राज्यों में बिजली का संकट अधिक है। मालूम हो कि पिछले साल अक्तूबर में भी इसी तरह का बिजली संकट गहराया था। हालांकि इस बार स्थिति ज्यादा गंभीर हो गई है क्योंकि देश के अधिकतर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में संकट के कारण कई घंटों की कटौती की जा रही है। ओडिशा में कोयले के अभाव में एनटीपीसी का एक संयंत्र बंद है जिससे 800 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होता है।

25 फीसदी से कम कोयले का भंडार

बिजली संकट पर कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ का दावा है कि देश के 173 ऊर्जा संयंत्रों में से 106 के पास 25 फीसदी से कम कोयले का भंडार है। देश में रोजाना 22 लाख टन कोयले की जरूरत है और आपूर्ति सिर्फ 16 लाख टन हो रही है। नतीजा ये है कि हाल के सप्ताह में रोजाना औसतन 16,035 मेगावॉट बिजली की मांग हो रही है जबिक आपूर्ति सिर्फ 2304 मेगावॉट की हो रही है। यही कारण है कि मांग की तुलना में यूपी में नौ, हरियाणा में 7.7 और उत्तराखंड में 7.6 फीसदी बिजली संकट है।

दंतेवाड़ा में बच्चे उठा ले आये जिंदा बम, बीडीएस टीम ने किया नष्ट

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय से कुछ दूर बसे मांझीपदर में आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के ही दो बच्चे हाथ में चार जिंदा बम लेकर आंगनबाड़ी के पास पहुंच गए। बच्चे बम से खेल रहे थे। छोटे बच्चों के हाथों में मौत का सामान देखते ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बच्चों से बम को दूर किया। पूछताछ कर वह उस स्थान पर पहुंची, जहां से बच्चों ने इसे उठाया था। घटनास्थल पर और भी सेल के टुकड़ों को देख पुलिस विभाग में कार्यरत अपने पति को सूचना दी। सूचना पर बीडीएस और पुलिस बल की टीम को मौके पर भेज सिग्नल सेल्ज़ को जब्त कर उन्हें सुरक्षित तरीके से नष्ट किया गया। मांझीपदर के मुरियापारा की सुखमती ने बताया कि गांव के पास से ही दो दिनों से विस्फोट की आवाज आ रही है। शनिवार को जब बच्चों ने जिंदा बम लाकर दिखाया, तब जानकारी मिली की गांव के आसपास इन्ही बम के विस्फोट की आवाज आ रही है। सुखमती के अनुसार किसी को भी इसकी जानकारी नहीं है कि यह बम कब और किसके द्वारा दागे जा रहे हैं। गांव के ही दो अन्य बच्चों ने मौके से और भी सिग्नल सेल्ज़ दिखाया, जिन्हें नष्ट करने की कोशिश की गई है। सुखमती का कहना है अभी तक इस बम से किसी को कोई नुकसान तो नहीं हुआ है, लेकिन अब गांव वाले दहशत में हैं।

सीएम बघेल ने किया 'मुख्यमंत्री मितान योजना' का शुभारंभ, अब घर बैठे बनेंगे सभी सरकारी प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर 1 मई को वर्चुअल समारोह में 'मुख्यमंत्री मितान योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के शुरू होने के बाद अब छत्तीसगढ़ के लोगों को घर बैठे ही सारी सुविधाएं मिलेंगी। यानि किसी भी प्रकार का प्रमाण पत्र बनाने के लिए लोगों को अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। योजना के तहत घर बैठे लोगों को नागरिक सेवाएं मिलेंगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत 14 नगर निगमों में यह सेवा शुरू की गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय से मितानों को टैबलेट वितरित कर उन्हें रवाना किया। इसके बाद कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री मितान योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस मौके पर नगरीय निकाय विभाग की सचिव द्वारा एक प्रेजेंटेशन भी दिया

गया जिसमें यह बताया गया कि मितना योजना के तहत लोगों को सभी सुविधाएं घर बैठे कैसे मिलेंगी। इस प्रेजेंटेशन में सभी के कार्य बताए गए।

मुख्यमंत्री बघेल की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली इस योजना के तहत प्राप्त सभी आवेदनों का मुख्यमंत्री मितान योजना के माध्यम से बिना प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। संबंधित आवेदकों को प्रमाण पत्र 'मितान' की ओर से उनके घर पर प्रदान किए जाएंगे। इस योजना के तहत कई तरह की सेवाएं घर बैठे मिलेंगी। लोगों को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाणपत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेज़ के नकल के लिए अनुरोध, गैर-डिजिटाइज्ड (भूमि रिकॉर्ड आदि की प्रति), जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाणपत्र, दुकान पंजीकरण, भूमि की जानकारी, जन्म प्रमाणपत्र सुधार, मृत्यु प्रमाणपत्र सुधार, विवाह प्रमाणपत्र सुधार आदि नागरिक सेवाएं घर बैठे प्रदान की जाएंगी।

14 निगमों में शुरू हुई योजना

प्रथम चरण में ये योजना प्रदेश के 14 नगर निगमों में लागू की जा रही है। जिसके तहत नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ उनके घर पर मितान के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण पारदर्शिता के साथ उनके डोर-स्टेप पर प्रदान की जाएगी। सेवाओं के लिए मितान टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होगा। मितान योजना की सारी प्रक्रिया डिजिटली रहेगी।

1 मई - श्रमिक दिवस पर विशेष (बोरे-बासी दिवस)

छत्तीसगढ़ की जीवनशैली का अहम हिस्सा है 'बासी'

छत्तीसगढ़ में एक प्रसिद्ध कहावत है - 'बासी के नून नइ हटय', इसका कहावत का हिन्दी भावार्थ है कि, बासी में मिला हुआ नमक नहीं निकल सकता। इस कहावत का उपयोग सम्मान के परिपेक्ष्य में किया जाता है। सवाल उठ सकता है कि आखिर यहां बात 'बासी' की क्यों हो रही है, तो बात जब किसी प्रदेश की होती है तो साथ में बात वहां के खान-पान की भी होती है। छत्तीसगढ़ में खान-पान के साथ जीवनशैली का एक अहम हिस्सा है 'बासी'। शायद इसलिए भी छत्तीसगढ़ी फिल्मों में छत्तीसगढ़ी परिवेश को दिखाने के लिए फिल्म के पात्रों को 'बासी' खाते दिखाया जाता है।

छत्तीसगढ़ियों के जीवन में 'बासी' इतना घुला-मिला है कि समय बताने के लिए भी सांकेतिक रूप से इसका उपयोग किया जाता है। जब सुबह कहीं जाने की बात होती है तो बासी खाकर निकलने का जवाब मिलता है, इससे पता चल जाता है कि व्यक्ति सुबह 8 बजे के बाद घर से निकलेगा। वहीं दोपहर के वक्त बासी खाने के समय की बात हो तो मान लिया जाता है कि लगभग 1 बजे का समय है। 'बासी खाय के बेरा', से पता चल जाता है कि यह लंच का समय है। छत्तीसगढ़ में बासी को मुख्य आहार माना गया है। बासी का सेवन समाज के हर तबके के लोग करते हैं। रात के बचे भात को पानी में डूबाकर रख देना और उसे नाश्ता के तौर पर या दोपहर के खाने के समय इसका सेवन आसानी से किया जा सकता है। इसलिए इसे सुलभ व्यंजन भी माना गया है। विशेषकर गर्मी के मौसम में बोरे और बासी को बहुतायत लोग खाना पसंद करते हैं।

बोरे और बासी बनाने की विधि

जहां बाकी व्यंजनों को बनाने के कई झंझट हैं, वहीं बोरे और बासी बनाने की विधि बहुत ही सरल है। न तो इसे सीखने की जरूरत है और न ही विशेष तैयारी की। खास बात यह है कि बासी बनाने के लिए विशेष सामग्री की भी जरूरत नहीं है। बोरे और बासी बनाने के लिए पका हुआ चावल (भात) और सादे पानी की जरूरत है। यहां बोरे और बासी इसलिए लिखा जा रहा है मूल रूप से दोनों की प्रकृति में अंतर है। बोरे से अर्थ, जहां तत्काल चुरे हुए भात (चावल) को पानी में डूबाकर खाना है। वहीं बासी एक पूरी रात या दिनभर भात (चावल) को पानी में डूबाकर रखा जाना होता है। कई लोग भात के पसिया (माड़) को भी भात और पानी के साथ मिलाने में इस्तेमाल करते हैं। यह पौष्टिक भी होता है और स्वादिष्ट भी। बोरे और बासी को खाने के वक्त उसमें लोग स्वादानुसार नमक का उपयोग करते हैं।

प्याज, अचार और भाजी बढ़ा देते हैं स्वाद

बासी के साथ आमतौर पर प्याज खाने की परम्परा सी रही है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में प्याज को गोंदली के नाम से जाना जाता है। वहीं बोरे या बासी के साथ आम के अचार, भाजी जैसी सहायक चीजें बोरे और बासी के स्वाद को बढ़ा देते हैं। दरअसल गर्मी के दिनों में छत्तीसगढ़ में भाजी की बहुतायत होती है। इन भाजियों में प्रमुख रूप से चेंच भाजी, कांदा भाजी, पटवा भाजी, बोहार भाजी, लाखड़ी भाजी बहुतायत में उपजती है। इन भाजियों के साथ बासी का स्वाद दुगुना हो जाता है। इधर बोरे को दही में डूबाकर भी खाया जाता है। गांव-देहातों में मसूर की सब्जी के साथ बासी का सेवन करने की भी परंपरा है। कुछ लोग बोरे-बासी के साथ में बड़ी-बिजौरी भी स्वाद के लिए खाते हैं।

बोरे-बासी खाने से लाभ

बोरे-बासी के सेवन से नुकसान तो नहीं लाभ कई हैं। इसमें पानी की भरपूर मात्रा होती है, जिसके कारण गर्मी के दिनों में शरीर को शीतलता मिलती है। पानी की ज्यादा मात्रा होने के कारण मूत्र उत्सर्जन क्रिया नियंत्रित रहती है। इससे उच्च रक्तचाप नियंत्रण करने में मदद मिलती है। बासी पाचन क्रिया को सुधारने के साथ पाचन को नियंत्रित भी रखता है। गैस या कब्ज की समस्या वाले लोगों के लिए यह रामबाण खाद्य है। बासी एक प्रकार से डाइयूरेटिक का काम करता है, अर्थ यह है कि बासी में पानी की भरपूर मात्रा होने के कारण पेशाब ज्यादा लगती है, यही कारण है कि नियमित रूप से बासी का सेवन किया जाए तो मूत्र संस्थान में होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। पथरी की समस्या होने से भी बचा जा सकता है। चेहरे में ताजगी, शरीर में स्फूर्ति रहती है। बासी के साथ माड़ और पानी से मांसपेशियों को पोषण भी मिलता है। बासी खाने से मोटापा भी दूर भागता है। बासी का सेवन अनिद्रा की बीमारी से भी बचाता है। ऐसा माना जाता है कि बासी खाने से होंठ नहीं फटते हैं। मुंह में छाले की समस्या नहीं होती है।

बासी का पोषक मूल्य

बासी में मुख्य रूप से संपूर्ण पोषक तत्वों का समावेश मिलता है। बासी में कार्बोहाइड्रेट, आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन्स, मुख्य रूप से विटामिन बी-12, खनिज लवण और जल की बहुतायत होती है। ताजे बने चावल (भात) की अपेक्षा इसमें करीब 60 फीसदी कैलोरी ज्यादा होती है। बासी को संतुलित आहार कहा जा सकता है। दूसरी ओर बासी के साथ हमेशा भाजी खाया जाता है। पोषक मूल्यों के लिहाज से भाजी में लौह तत्व प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहते हैं। इसके अलावा बासी के साथ दही या मही सेवन किया जाता है। दही या मही में भारी मात्रा में कैल्शियम मौजूद रहते हैं। इस तरह से सामान्य रूप से बात की जाए तो बासी किसी व्यक्ति के पेट भरने के साथ उसे संतुलित पोषक मूल्य भी प्रदान करता है।

संपादकीय

कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला चिंतन शिविर में

पिछले 20-25 साल में कांग्रेस के कई अधिवेशन और चिंतन शिविर हुए लेकिन उनमें क्या फैसला हुआ और क्या लागू हुआ यह कांग्रेस नेताओं को भी अंदाजा नहीं होगा। अब भी ले-देकर पचमढ़ी और शिमला अधिवेशन की चर्चा होती है। इसलिए यह उम्मीद करना बेमानी है कि मई में उदयपुर में होने वाले चिंतन शिविर में कांग्रेस कोई ऐतिहासिक फैसला करेगी और वहां से जीत की ओर प्रस्थान करेगी। वह भी रूटीन का एक सम्मेलन होगा, जैसा 2013 में जयपुर में हुआ था। लेकिन इस बार खास बात यह होगी कि इसमें कांग्रेस के नए अध्यक्ष का फैसला होगा। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव अगस्त-सितंबर में होने वाला है। उससे ठीक पहले मई के मध्य में हो रहे चिंतन शिविर में कांग्रेस के नए अध्यक्ष के नाम पर विचार होगा। कोई वैचारिक लाइन तय करने या वैकल्पिक एजेंडा बनाने की बजाय कांग्रेस के नेताओं की ज्यादा दिलचस्पी नए अध्यक्ष का नाम तय कराने में है। बताया जा रहा है कि चिंतन शिविर की मेजबानी कर रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस लाइन पर काम कर रहे हैं। जानकार सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के चार सौ महत्वपूर्ण नेताओं की मौजूदगी में वे राहुल गांधी को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रख सकते हैं। ध्यान रहे वे पहले भी कांग्रेस कार्य समिति की बैठकों में यह बात कहते रहे हैं।

> दूसरा सुझाव था कि नेहरू-गांधी परिवार से बाहर का कोई अध्यक्ष बने, सोनिया यूपीए अध्यक्ष बनें, राहुल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और प्रियंका संगठन महासचिव बनें। तीसरा प्रस्ताव प्रियंका गांधी वाड्रा को अध्यक्ष बनाने का था। जाहिर वे राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन उनके सुझावों के उलट कांग्रेस हर हाल में राहुल को अध्यक्ष बनाने पर अड़ी है। इस पर चिंतन शिविर में मुहर लग सकती है।

कांग्रेस के जानकार सूत्रों के मुताबिक चिंतन शिविर में राहुल गांधी के नाम पर सहमति बनाने का प्रयास होगा। अलग अलग राज्य कमेटियां भी उनके नाम का प्रस्ताव कर सकती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की ओर से दिए सुझावों पर भी इसमें चर्चा होगी। लेकिन वह चर्चा दिखावे की होगी क्योंकि कांग्रेस में यह तय कराने की कवायद चल रही है कि राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाया जाए, जबकि प्रशांत किशोर ने अपने तीन फॉर्मूलों में से किसी में भी राहुल को अध्यक्ष बनाने का सुझाव नहीं दिया था।

प्रशांत किशोर के सुझावों में पहला यह था कि सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष रहें, राहुल गांधी को संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जाए, प्रियंका गांधी वाड्रा संगठन महासचिव बनें और कांग्रेस छोड़ कर गए किसी सहयोगी नेता को यूपीए का अध्यक्ष बनाया जाए। दूसरा सुझाव था कि नेहरू-गांधी परिवार से बाहर का कोई अध्यक्ष बने, सोनिया यूपीए अध्यक्ष बनें, राहुल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष और प्रियंका संगठन महासचिव बनें। तीसरा प्रस्ताव प्रियंका गांधी वाड्रा को अध्यक्ष बनाने का था। जाहिर वे राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के पक्ष में नहीं थे। लेकिन उनके सुझावों के उलट कांग्रेस हर हाल में राहुल को अध्यक्ष बनाने पर अड़ी है। इस पर चिंतन शिविर में मुहर लग सकती है।

फन कुचलने का हूनर सीखिये जनाब ?
सांप के खौफ से जंगल नहीं छोड़ा करते ?

आजादी के सात दशक बाद तक देश के भीतर जिस तरह से आतंक के खौफ का साम्राज्य इन्सानियत को रौंदता रहा! मानवता का कत्लेयाम करता रहा! दिशाएं गमगीन होकर कराहती रही! आजादी बिलख बिलख कर रोती रही! और इस देश की सियासत आंख पर पट्टी बांध कर सोती रही ?भारत का ताज घायल दर्द से चीखता रहा! केशर के जगह बारुद की खेती होती रही!,स्वर्ग से भी सुन्दर कश्मीर सिसकती रही! मगर सत्ता के लालची सियासी खेल में देश की सम्प्रभुता का सौदा करते रहे? ।कश्मीर से लाखों लाखों कश्मीरी पंडितों के विस्थापन का मुद्दा नगण्य हो गया! हजारों निरीह ब्राह्मणो की हत्या सियासतदारों के दोगलापन के चलते कोई समस्या नहीं बना ।मगर समय सबका बदलता है जहां गीदड़ भी शेर बनकर शिकार करते थे! वहीं अब शेर गीदड़ सरीखे गोलीयों के शिकार हो रहे हैं! जहां बारुद बरसती थी वहां अब सेना की आग बरस रही रही है!जिन सियासतदारो के दम पर कश्मीर में ईद भी इन्सानियत की तबाही में मनाई जाती थी!लाल चौक पर पाकिस्तानी परचम की रहनुमाई थी वहां अब केशरीया परचम की अगुवाई है!जहां बारुद महकती अब केशर महक रही है। बदलते हालात में सवालात अब खुराफात का नहीं! जज्बातका बन गया है ?पत्थर बाजआज जानकी भीख मांग रहेहैं वन्देमातरम गा रहे है!भारत तेरे टुकडे होंगे का नारा लगाने वाले अब सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा के मुखड़े सुना रहे है!आखिर यह परिवर्तन कैसे हो गया यह सवाल दुनियां के जेहन में कौध रहा है।राष्ट्रवादी सोच देश की सम्प्रभुता को सुरक्षित रखने की कसक% पुरातन सनातन भारत को वापस लाने की जीद् ने सब कुछ बदल दिया!कश्मीर की तकदीर बदल गयी!तीतलाक हलाक हो गया! उन्मादियों का प्रोटेस्ट फेल हो गया!किसानों आनदोलन के शानिध्य में पनपा खालिस्तानियों का खेल खत्म हो गया!अलगाव वादियों के मन्सूबो पर पानी फिर गया !आतंकवाद का सूचकांक धड़ाम होकर गिरगया दंगा-फसाद अपवाद हो गया! सबसे उपर राष्ट्रवाद हो गया !कन्या कुमारी से लेकर कश्मीर तक का परीवर्तन दुनियां में नज़ीर बन गया! क्यों की देश का प्रधान मन्त्री लुटेरा नहीं सन्यासी हैं!सनातनी भारत का अभिलाषी है!शान से जीना, छप्पन इंच का सीना समझा दिया!

-जगदीश सिह

> **यह अच्छी बात है, दक्षिण की फिल्में हिंदी में भी आ रही हैं, तो हम स्वीकार करते हैं और करना भी चाहिए। आज हिंदी बाजार की सशक्त भाषा है, यह उत्तर से दक्षिण तक हर कोई जानता है। वास्तव में, हिंदी का विरोध कहीं नहीं है, लेकिन हम जानते हैं, इसे कभी-कभी जान-बूझकर उभारा जाता है।**

हमारे बाजार की सबसे सशक्त भाषा है हिंदी

उदय प्रकाश, प्रसिद्ध साहित्यकार

भारत में हिंदी भाषा को लेकर विवाद नया नहीं है। जाने-माने अभिनेता अजय देवगन और कन्नड सिनेमा के बड़े स्टार किच्चा सुदीप के बीच भाषा को लेकर जो विवाद उठता दिखा, वह भी कदापि नहीं चौंकाता। इस विवाद पर बॉलीवुड का अपना नजरिया है, उधर, दक्षिण से कुछ और अलग आवाजें आ रही हैं। दूसरी भाषाओं के कलाकार व नेता भी विवाद में अपना योगदान दे रहे हैं। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं कि हिंदी को फैलाने और लोकप्रिय बनाने में बॉलीवुड की भूमिका रही है, लेकिन बॉलीवुड में हिंदी की स्थितियों व सीमाओं को भी समझना होगा। हिंदी ने जो स्नेह-दुलार फैलाया है, उसे समझना चाहिए, उसकी उदारता और मिलकर चलने की क्षमता को भी एक नजर जरूर देखना चाहिए।

राज कपूर की एक फिल्म है, जिस देश में गंगा बहती है, उसमें शैलेंद्र का लिखा एक गीत है, ये पूरब है, पूरब वाले/ हर जान की कीमत जानते हैं/ मिल-जुल के रहो और प्यार करो/ एक चीज यही जो रहती है/ हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है।

आप पाएंगे कि उत्तर भारत या भारत विशेष रूप से गंगा केंद्रित रहा है और हम यही कहते आए हैं कि हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। वैसे तो इस देश में कृष्णा, कावेरी, सतलुज, झेलम, पेरियार भी हैं, और जन-जन में प्रिय राम तो सरयू किनारे ही पैदा हुए और उसी में समा गए, लेकिन एक भी गीत बॉलीवुड का आप बताइए, जो सरयू पर बना हो? बॉलीवुड में राम केसाथ भी गंगा नदी को ही याद किया जाता है। तो जो यह बॉलीवुड है, जहां भाषा को लेकर बहुत गंभीर दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए। मैं ट्विटर व अन्य जगह हिंदी पर छिड़ी ताजा बहस देख रहा था। हम राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, राजकाज की भाषा और मातृभाषा में कोई अंतर ही नहीं कर पा रहे हैं, सबको एक साथ गड्डमड्ड कर दे रहे हैं। तमिलभाषियों पर आप हिंदी जितनी भी लादें, वे तो नहीं कहेंगे कि हिंदी मातृभाषा है। यह समझना होगा कि वास्तव में हमलोग बहुभाषी हैं। मिसाल के लिए, मेरी मां भोजपुर की हैं, पिता बघेली, गांव छत्तीसगढ़ी, तो मैं किस भाषा को कहूं कि ये मेरी मातृभाषा है? यहां हमें उदार होना चाहिए। हां, यह गर्व लायक सच है कि हिंदी बहुत अच्छी भाषा है, दुनिया में तीसरे नंबर की भाषा है, कई देशों में बोली जाती है।

हम लोग खूब विविधता वाले गणराज्य हैं और काफी लंबी प्रक्रिया से गुजरकर एक राष्ट्र या एक राष्ट्रभाषा बनती है। संयुक्त राज्य अमेरिका तो अभी भी राज्यों का ही समूह है, वह आज भी उस तरह से राष्ट्र नहीं है, जैसी हमारे यहां धारणा बनाई जा रही है। वैसे भी, संविधान में कहीं नहीं है कि हिंदी राष्ट्रभाषा है। सभी राजभाषाएं हैं। अंग्रेजी भी है। अंग्रेजी का भी विरोध होता रहा है। हम गौर करें, तो कहीं भी एक लोकप्रिय धारणा बनाई जाती है और लोग उसी को मानने लग जाते हैं। लोक मान्यता कुछ और होती है और वास्तविकता कुछ और। यह विरोधाभास कभी कम नहीं होगा। देश में एक समय था, जब रेलवे स्टेशन और अन्य जगहों पर अंग्रेजी में लिखे नामों को रंग से पोत दिया जाता था और उनकी जगह हिंदी में लिखा जाता था। हिंदी के पक्ष में आंदोलन या राजनीति वगैरह भी कुछ हुई। हिंदी राजनीति की भाषा बन ही सकती है, लेकिन वैसी नहीं बन सकती, जैसी चीन में मंदारिन है या जापान में जापानी भाषा।

बहुत पहले देश में त्रिभाषा फॉर्मूला दिया गया था। पढ़ाई में हिंदी, अंग्रेजी और एक क्षेत्रीय भाषा रहे, लेकिन यह हुआ नहीं, हम अंग्रेजी या अन्य भाषाओं के बीच उलझे रह गए। दुख होता है, जल्दबाजी में हिंदी के पक्ष में जो लोग बोल रहे हैं, उन्हें संपर्क भाषा, राजभाषा, मातृभाषा का अंतर नहीं पता है। दक्षिण की ओर से उठने वाला हिंदी विरोध भी उचित नहीं है, लेकिन जब-जब आप हिंदी के पक्ष में आवाज बुलंद करेंगे, तब-तब दक्षिण में विरोध होगा। हिंदी के पक्ष में सिर्फ ज्यादा आबादी से कुछ नहीं होता है।

अभी फिल्मों में देखिए, अजय देवगन की किसी भी फिल्म ने वैसी कमाई नहीं की है, जैसी दक्षिण की फिल्मों केजीएफ आरआरआर इत्यादि ने की है। यह अच्छी बात है, दक्षिण की फिल्में हिंदी में भी आ रही हैं, तो हम स्वीकार करते हैं और करना भी चाहिए। आज हिंदी बाजार की सशक्त भाषा है, यह उत्तर से दक्षिण तक हर कोई जानता है। वास्तव में, हिंदी का विरोध कहीं नहीं है, लेकिन हम जानते हैं, इसे कभी-कभी जान-बूझकर उभारा जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्कूलों की उस दुत्कार ने उनकी जिंदगी बदल डाली

भूमिका श्रेष्ठ, नेपाली समाजसेवी

कोई भी वर्जना जब टूटती है, तब इंसानियत मुस्कराती है। इनको तोड़ने के लिए कितनी गहरी प्रतिबद्धता चाहिए, यह राजा राममोहन राय, मोहनदास करमचंद गांधी जैसे महानायकों में कोई बहुत आसानी से देख सकता है। मगर इस दुनिया में ऐसे अनेक गुमनाम नायक-नायिका हुए; होते रहे हैं, जो अपने प्रयासों से इस धरती को कुछ और सुंदर, कुछ और करुण, कुछ और मानवीय बनाकर विदा हो जाते हैं। कनाडा के तरक्कीपसंद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडेव शुक्रवार को जब अपने देश में समलैंगिक समुदाय के रक्तदान पर लगी रोक हटा रहे थे, तब अनायास ही नेपाल की भूमिका श्रेष्ठ का अक्स जेहन में उभर आया। थर्ड जेंडर के लिए भूमिका के संघर्ष को देखते हुए अमेरिका ने उन्हें दुनिया की साहसी महिलाओं में गिना है।

जनवरी 1988 में काठमांडू के एक आम मध्यवर्गीय परिवार में उनका जन्म हुआ। पिता कुमार श्रेष्ठ और मां नुमाया बहुत खुश थे कि उनके घर बेटे की आमद हुई है। रूढ़िवादी समाज ने उन्हें यह गर्व थमाया था। शिशु का नाम कैलाश रखा गया। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती गई, कैलाश के हाव-भाव लड़कियों के ज्यादा करीब पाए गए। उलझन बढ़ती जा रही थी। जो नहीं हैं, उसका किरदार तो कुछ पलों के लिए कोई भी कुशल कलाकार निभा जाए, मगर दिन-रात उसको जीना बेहद मुश्किल था। कोई कैलाश की मन:स्थिति समझ नहीं रहा था। सब उसे बस यही सांत्वना देते कि ये वक्ती बदलाव हैं, बड़े होने पर सब कुछ सामान्य हो जाएगा। लेकिन न ऐसा होना था, न हुआ। कैलाश लड़के की पहचान के साथ असहज ही रहे।

हर मध्यवर्गीय नेपाली अभिभावक की तरह उनके माता-पिता भी यही चाहते थे कि कैलाश एक लायक बेटे की तरह विदेश जाएं और परिवार के लिए धन कमाएं। लेकिन कैलाश के लिए एक अस्वाभाविक जीवन जीना मुश्किल होता जा रहा था। फब्तियों, दुर्व्यवहारों और उपेक्षाओं से किशोर मन बुरी तरह आहत हो उठा था। स्कूल में भी शिकायतें बढ़ने लगी थीं और आखिरकार एक दिन प्रिंसिपल ने साफ-साफ कह दिया कि वह लड़कियों के साथ नहीं खेलें। लेकिन कैलाश तो उनके बीच ही सहज थे, चाहकर भी खुद को बदलना उनके लिए मुश्किल था। नतीजतन, नौवीं कक्षा में उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। कहा गया, स्कूल में 'थर्ड जेंडर' के दाखिले की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसकी सोहबत में बच्चे बिगड़ेंगे।

जिस समाज में मां-बाप ऐसी संततियों की पहचान छिपाने के सारे जतन करते हों, यहां तक कि उन्हें त्याग देते हों, वहां कैलाश की मां ने हमेशा उनका साथ दिया। वह उनको लेकर कई स्कूलों में गईं, ताकि कैलाश की तालीम मुकम्मल हो सके। उनकी संतान के पास कोई तो डिग्री हो, जिससे उसकी जिंदगी शायद कुछ आसान हो जाए। मगर हर जगह निराशा मिली। कोई भी विद्यालय थर्ड जेंडर को दाखिला देने को तैयार नहीं था। नतीजतन, नौवीं कक्षा में ही पढ़ाई छूट गई, लेकिन मां ने साथ नहीं छोड़ा। स्कूलों से मिली इस दुत्कार ने कैलाश की पूरी भूमिका बदल दी।

उन पीड़ादायक पलों में उन्होंने यही सोचा कि आखिर उनके जैसे लोग भी तो इंसान ही हैं, अन्य नेपाली नागरिकों को मिले अधिकारों से उन्हें क्यों वंचित किया गया है? वे क्यों नहीं पढ़ सकते? उन्हें नौकरी क्यों नहीं मिल सकती? उनके नाम से जमीन की रजिस्ट्री क्यों नहीं हो सकती? औरों की तरह उन्हें भी गरिमामयी जिंदगी जीने का हक है! इस सवालों ने कैलाश को उद्वेलित कर दिया था, वह लैंगिक अल्पसंख्यकों के संगठन 'ब्लू डायमंड सोसायटी' से जुड़ गए।

कैलाश ने अपनी वास्तविक पहचान की जंग लड़नी शुरू की। कैलाश दफ्न हो चुका था, अब भूमिका की भूमिका जीवंत हो चुकी थी। सत्ता और समाज को इस तीसरे वर्ग के प्रति संवेदनशील बनाने का काम आसान नहीं था। लोग उन्हें हेय नजरों से देखते थे। 'ब्लू डायमंड सोसायटी' के बैनर तले अगर किसी संगोष्ठी में लोगों को बुलाया जाता, तो लोग कतराकर निकल जाते कि कहीं वे भी ट्रांसजेंडर न बन जाएं। लेकिन भूमिका और उनके साथियों को तो दुत्कारों और तिरस्कारों से ही लड़ना था। धैर्य के साथ वे अपनी बात रखते रहे और आखिरकार बदलाव की बयार बही। बकौल भूमिका, 'नेपाली समाज में थर्ड जेंडर की अब अधिक स्वीकृति है।'

अपनी नागरिकता पहचान-पत्र में थर्ड जेंडर की शिनाख्त के लिए उन्होंने जो लड़ाई शुरू की थी, 2007 में नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने उसके हक में फैसला दिया। अदालत ने साफ कहा कि एक नागरिक की पहचान थर्ड जेंडर के रूप में हो सकती है। काफी लंबी जद्दोजहद के बाद भूमिका के नागरिकता पहचान-पत्र पर उनकी असली लैंगिक पहचान दर्ज हुई। इस कामयाबी ने उन्हें नई उड़ान भरने का आत्मविश्वास दिया। वह पहली नेपाली नागरिक हैं, जिन्होंने पासपोर्ट पर थर्ड जेंडर पहचान के साथ विदेश की उड़ान भरी। उनकी टीम इस वर्ग के 35 हजार लोगों की मदद कर चुकी है। बचपन से ही नृत्य-निर्देशक बनने के ख्वाब संजोने वाली भूमिका ने आखिरकार कला के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। कई डॉक्यूमेंट्री बना चुकी भूमिका नेपाली फिल्मों में भी अभिनय करती हैं। साल 2010 से वह नेपाली कांग्रेस की सक्रिय सदस्य हैं। कोरोना महामारी के दौरान पिछले साल उन्होंने अपने समुदाय को सरकार से काफी राहत दिलाई थी।

साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, उस समय भारत में इस समुदाय के लगभग पांच लाख लोग थे। उन्हें देश की अदलिया ने तमाम सांविधानिक अधिकार दिए हैं, मगर समाज ने उन अधिकारों का कभी दिल से सम्मान नहीं किया। इसके लिए इस समुदाय को अभी काफी लंबी लड़ाई लड़नी है। ऐसे में, इस वर्ग की जंग में जस्टिन ट्रुडेव, जो बाइडन जैसे अधिकार संपन्न राजनेताओं के प्रयास तो सराहनीय हैं ही, भूमिका श्रेष्ठ जैसों का संघर्ष भी कम वंदनीय नहीं।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

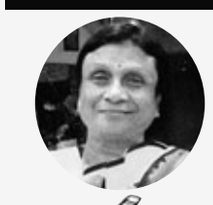

आत्मा घायल हो तो छोटी सी बात भी रात भर सोने नहीं देती और चैन भी नहीं लेने देती।

-अंजली जैन
7024460938

तीसरा मोर्चा भी लड़ेगा राष्ट्रपति चुनाव

जुलाई में राष्ट्रपति का चुनाव होना है और माना जा रहा है कि जून में इसकी प्रक्रिया शुरू होगी। इस मामले में अभी तक किसी पार्टी ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। भाजपा किसको उम्मीदवार बनाएगी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए की ओर से कौन दावेदार होगा, इसका फैसला नहीं हुआ है। लेकिन उससे पहले खबर है कि एक तीसरा मोर्चा भी बन रहा है, जिसकी ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार दिया जाएगा। वैसे देश की राजनीति में भाजपा को टक्कर देने के लिए भी एक तीसरा मोर्चा बनाने की कवायद चल रही है लेकिन अभी तक उसकी रूपरेखा तय नहीं हुई है। तभी सवाल है कि क्या राष्ट्रपति चुनाव के नाम पर ही तीसरे मोर्चे की कोई रूपरेखा बनेगी? बताया जा रहा है कि कांग्रेस से नाराज अखिलेश यादव इसकी पहल कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गैर कांग्रेस और गैर भाजपा उम्मीदवार उतारने की कवायद में लगे हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

विनय मेडिकल स्टोर्स
सभी प्रकार के अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाी के चिल्हर विक्रेता
मो.-9329766891
शॉप नं.-15, महात्मा गांधी मार्केट, अग्रेसन चौक, दुर्ग (छ.ग.)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

डिम्पी ज्वेलर्स
सजेश भोरकर 9907157053
राकेश भोरकर 9302830835
आजाद चौक, कसारीडीह, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

आज एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना

रायपुर। प्रदेश में आज एक मई को एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। कुछ स्थानों पर ग्रीष्म लहर जैसी स्थिति बने रहने की सम्भावना है। वहीं शनिवार को भी बिलासपुर सबसे गर्म रहा। बिलासपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं राजधानी रायपुर में शनिवार को तापमान 44.8 डिग्री सेल्यिस था तथा आज भी तापमान 44 डिग्री के करीब रहने की संभावना है। मौषम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक द्रोणिका मध्य छत्तीसगढ़ से लक्षद्वीप तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश के मध्य और उत्तर भाग में उत्तर से गर्म और शुष्क हवा का आगमन लगातार जारी है, जबकि दक्षिण भाग में अपेक्षाकृत ठंडी और नमी युक्त हवा का आगमन लगातार जारी है। जिसके चलते प्रदेश में आज 1 मई को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। जहाँ जहाँ तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक है वहां ग्रीष्म लहर की स्थिति है।

सामान्य जीवन जीने के लिए आधारभूत आवश्यकता हो हमारी पहली प्राथमिकता - पी. दयानंद

सूरजपुर। जिले के प्रभारी सचिव पी.दयानंद व सरगुजा संभागायुक्त जी. आर. चुरेन्द्र ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। सर्वप्रथम जिला पंचायत सीईओ राहुल देव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। तत्पश्चात प्रभारी सचिव ने नव आगन्तुक कलेक्टर इफ्फत आरा एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू का जिले आगमन पर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी का आगमन विधानसभा वार दौरा कार्यक्रम है जिसमें वे राज्य शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच पा रहे है या नहीं। उनकी मंशा है कि धरातल पर कितना योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम अन्तर्गत आने वाले राजस्व मामले खासकर फौती, नामांतरण, बटवारा जैसे प्रकरण लंबित न हो यही प्रयास सबका होना चाहिए।

पेयजल व पेंशन की समस्या का तत्काल निराकरण के निर्देश

प्रभारी सचिव ने गुमगराकला व सानीबर्रा के ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। गृह एवं जेल विभाग के प्रमुख सचिव तथा जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ सरगुजा प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को लखनपुर विकासखण्ड के ग्राम गुमगराकला व उदयपुर विकासखण्ड के ग्राम सानीबर्रा के ग्रामीणों के बीच पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों के साथ चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए हैंडपम्प सुधार, बोर खनन के कार्य तत्काल कराने तथा पेंशन की समस्या का निराकरण भी शीघ्रता से कराने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने ग्राम गुमगरा के चौपाल में यहां संचालित आवर्ती चराई गोठान के बारे में पूछ-ताछ कर जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के

अधिकारियां ने बताया कि गांव में करीब 750 मवेशी है। गोबर खरीदी शुरू किया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में बैंक सर्विस के लिए ग्रामीण बैंक लहपटरा जाना पड़ता है जिसे पुहपुटरा में कराने की मांग की। इसके साथ ही प्राथमिक स्कूल में शौचालय वे बॉउंड्रीवाल, आंगनबाड़ी में बाउंड्रीवाल की मांग की। प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने परिवार अलग होने पर पृथक राशन कार्ड बनाने तथा जिनका बीपीएल के स्थान पर एपीएल कार्ड जारी हो गया है उसके सुधार के लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयार करा कर खाद्य विभाग को भेजने कहा। एक महिला अपने कुपोषित और हृदय की बीमारी से पीड़ित बच्चे के ईलाज कराने के लिए सहायता की मांग की। प्रभारी सचिव स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ईलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उदयपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सानीबर्रा में चौपाल लगाया गया जिसमें ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताई। ग्रामीणों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व सानीबर्रा में नहर निर्माण हुआ है। नहर निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा नहर खुदाई से निकले मिट्टी को खेत मे ही छोड़ दिया है जिससे खेती करने में दिक्कत हो रही है। वही नहर भी बीच मे टूट गया है । नवापारा में एक सोलर पम्प की मांग की गई। प्रभारी सचिव ने संबंधित ठेकेदार के द्वारा मिट्टी हटवाने के निर्देश दिए व नहर को ठीक कराने कहा। उन्होंने स्कूल में शिक्षकों की संख्या , आंगनबाड़ी की संख्या व कार्यकर्ता की उपस्थिति, पटवारी, मितानिन की उपस्थिति, स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाएं, बिजली की समस्या आदि की जानकारी ली।

कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू कल करेंगे सी-मार्ट का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ गृह तथा लोक निर्माण मंत्री और कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू 2 मई को जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में सी-मार्ट का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के सभी विभागों एवं पुलिस विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली और इस संबंध में अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत कुणाल दुदावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह, अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर शर्मा ने समीक्षा के दौरान आमजनों की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने कहा। कलेक्टर शर्मा ने सभी विभागों के अधिकारियों को शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन किए जाने तथा आमजनों को इसका लाभ दिलाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिलास्तरीय अधिकारी अपनी सम्पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। बैठक में एसपी ठाकुर ने जिलास्तरीय अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से जिले में शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों के विषय में चर्चा की।

बैठक में कलेक्टर शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ का पारम्परिक भोजन बोरे बासी सांस्कृतिक महत्व रखने के साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 मई श्रमिक दिवस के अवसर पर बोरे बासी खाने की अपील की है, सभी जिलाधिकारी इस दिवस पर बोरे बासी अवश्य खाएं एवं आमजनों को भी प्रेरित करें।

लर्निंग लाइसेंस बनाने परिवहन सुविधा केन्द्र खोलने के लिए आवेदन 20 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिला परिवहन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए 12 परिवहन सुविधा केंद्र खोले जाएंगे। इसके लिए 20 मई तक आवेदन किए जा सकते है। इच्छुक आवेदक विहित आवेदन शुल्क दो सौ रूपये सहित आवेदन पत्र जिला परिवहन कार्यालय सूरजपुर में प्रस्तुत कर सकते है।

परिवहन सुविधा केंद्र भारत सरकार के राजपत्र क्रमांक 240(अ) 31 मार्च 2021 के अनुसार लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए परिवहन सुविधा केंद्र को अधिकृत किया गया है। परिवहन सुविधा केन्द्र के संचालन के लिए प्राधिकार पत्र अभिप्राप्त करने के लिए कोई व्यक्ति, संगठन, संघ, पंजीकृत स्व-सहायता समूह, सहकारी समिति या कोई भी विधिक इकाई पात्र होंगे। इच्छुक आवेदक के पास कम से कम 100 वर्ग फुट स्वयं का भवन अथवा किराया अनुबंध भवन उपलब्ध होना आवश्यक है। लर्निंग लाइसेंस के लिए पृथक से विभाजित कक्ष होना आवश्यक है तथा लर्निंग लाइसेंस टेस्ट को देते समय आवेदक के अलावा किसी अन्य की उपस्थिति नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाना होगा।

तकनीकी संसाधन भी स्वयं करनी होगी जिसके लिए कार्यस्थल में पर्याप्त मात्रा में कम्प्यूटर, कैमरा, बायोमैट्रिक डिवाइस, सिग्नेचर पैड, इंटरनेट कनेक्टिविटी व समय-समय पर आवश्यकतानुसार अन्य तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता स्वयं करनी होगी।

नवा रायपुर के बारह गांवों में 20 से बाटेंगे आबादी पट्टे

770 आबादी बसाहटों में स्थल जांच और सत्यापन का काम जारी

कलेक्टर सौरभ कुमार ने जारी किया समयबद्ध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर की अभनपुर और मंदिर हसौद तहसीलों की 770 आबादी बसाहटों में काबिज लोगो को अगले महीने की 20 तारीख से आबादी पट्टे मिलना शुरू हो जायेगा। नवा रायपुर में शामिल इन दोनों तहसीलों में अभी आबादी बसाहटों की स्थल जांच और सत्यापन का काम तेजी से चल रहा है। नवा रायपुर के कुल 12 गाँवों की बसाहटों का सर्वे नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा राजस्व विभाग के माध्यम से कराया गया है। इस सर्वे में मंदिर हसौद उप तहसील के 10 गांवों में 581 बसाहट और अभनपुर तहसील के दो गॉवों की 189 बसाहट आबादी भूमि की पहचान की गई है। सर्वे के बाद बसाहटों एवं आबादी भूमि के पहले से जारी पट्टो का परीक्षण भी तहसीलदारों द्वारा कराया जा चुका है।

नवा रायपुर क्षेत्र के इन 12 गाँवों के आबादी बसाहटों का पट्टा जारी करने कार्य योजना तैयार कर ग्राम पंचायतों में प्रकाशन भी किया जा चुका है।अभी प्रकाशित विवरण पर ग्रामवासियों से दावा आपत्तियां ली जा रही है,जिनका निराकरण कर अंतिम सूची का ग्रामसभा से अनुमोदन लिया जाएगा और फिर पट्टा बितरण शुरू किया जाएगा।

इस संबंध में कलेक्टर सौरभ कुमार ने दावा आपत्तियों के निराकरण से लेकर ग्राम सभा के अनुमोदन और पट्टा बांटने का पूरा समयबद्ध कार्यक्रम तय कर दिया है। मंदिर हसौद उप तहसील के नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सर्वे किये गए गाँवों में सूची का प्रकाशन 22 अप्रेल को किया गया है। इस पर दावा आपत्तियां भी मांगा ली गई है। 30 अप्रैल 06 मई तक से इन दावा आपत्तियों का निराकरण और स्थल जांच की जाएगी। दावा आपत्तियों के निराकरण के बाद सूची तैयार कर ग्राम सभा से अनुमोदन के काम 07 मई से 13 मई तक किया जाएगा। ग्राम सभा से अनुमोदित सूची के अनुसार पट्टे 14 मई से 20 मई तक तैयार किये जायेंगे और 20 मई को ही वितरण भी किया जाएगा।

अभनपुर तहसील के उपरवारा और तूता ग्रामो में पहले से जारी आबादी पट्टो का परीक्षण कर लिया गया है। नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सर्वे किये गए गाँवों में सूची का प्रकाशन भी किया जा चुका है और इस पर दावा आपत्तियां 04 मई तक ली जाएंगी । 05 मई से 11 मई तक इन दावा आपत्तियों का निराकरण और स्थल जांच की जाएगी।

प्रभारी सचिव पी. दयानंद ने सूरजपुर जिले में चल रहे विभिन्न गतिविधियों का किया मुआयना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के प्रभारी सचिव श्री पी. दयानंद व सरगुजा कमिश्नर श्री जी. आर. चुरेंद्र ने तिलसिवां स्थित जिला लाइब्रेरी, वृद्धाश्रम, अरुणोदय कोचिंग सेंटर एवं बड़कापारा में बनाए गए कला केंद्र की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर जायजा लिया। उन्होंने जिला लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, फिजिक्स, केमिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस, जियोग्राफी, सामान्य ज्ञान, कंप्यूटर, धार्मिक की पुस्तकें जो कि विभिन्न कैटेगरी में रखे गए हैं निरीक्षण किया। उन्होंने बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अलग-अलग बने रीडिंग कक्ष का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री

राहुल देव, एसडीएम श्री रवि सिंह, डीपीओ श्री चंद्रबेस सिसोदिया, सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला लाइब्रेरी में सभी केटेगरी के बुक्स, बुजुर्गों एवं दिव्यांग जनों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था रखी गई है। दिव्यांगों एवं बुजुर्गों के लिए कैरम, लूडो अन्य प्रकार की खेल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा प्रतियोगी परीक्षा तैयारी कर रहे युवाओं के लिए गर्ल्स एवं बॉयज के लिए अलग-अलग रीडिंग रूम उपलब्ध कराई गई है। जिला लाइब्रेरी में मोटिवेशनल कक्ष, वर्चुअल ऑनलाइन क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिससे जिले के बिहारपुर सहित दूरदराज क्षेत्र में अध्ययनरत छात्रों को विभिन्न विषयों की विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध किए जाने की व्यवस्था है। ई-लाइब्रेरी की सुविधा है जिससे बच्चे अपने आवश्यकता एवं जरूरत के आधार पर पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। लाइब्रेरी में शौचालय, पीने के लिए आरओ एवं गार्डन की भी व्यवस्था है।

प्रभारी सचिव पी. दयानन्द एवं सरगुजा आयुक्त जी.आर. चुरेन्द्र ने तिलसिवा स्थित वृद्धजनों के लिए बनाए गए स्नेह सम्बल वृद्धा आश्रम का भी अवलोकन किया जहां उन्होंने वृद्ध जनों को बेहतर सुविधा देने के लिए बनाए गए मनोरंजन कक्ष, सर्वधर्म प्रार्थना कक्ष, पुस्तकालय, अन्नपूर्णा कक्ष, बेड़ की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रभारी सचिव ने इस दौरान स्नेह संबल वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण किया।

उन्होंने बड़कापारा में कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए कला केंद्र का भी जायजा लिया जहां उन्होंने ग्रीन रूम, इंस्ट्रुमेंटल रूम, वोकल रूम, ड्राइंग रूम, रिकॉर्डिंग रूम में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में जिले को मिली नवीन उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया । स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में जिला सफलता के नित नए आयाम गढ़ रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय में बिनाइन ट्यूमर (लीपोमा) नामक बीमारी के सफल ऑपरेशन से स्वास्थ्य क्षेत्र में जिले ने नवीन उपलब्धि प्राप्त की है। कोरिया जिले के सीमावर्ती जिले सूरजपुर के रामानुजनगर के केशवपुर निवासी 50 वर्षीय श्री मोहित दास को जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में 7 वर्ष की इस बीमारी से निजात मिली है। मोहित दास बताते हैं कि उनके गले में लगभग 150 ग्राम का ट्यूमर था। कई अस्पतालों में उन्होंने इलाज कराने का प्रयास किया। सभी अस्पतालों में उन्हें मुंबई या अन्य बड़े शहर में इलाज की सलाह दी गई। इस बीच उन्हें गांव की मितानिन ने जिला

चिकित्सालय में कान, नाक, गला विशेषज्ञ के बारे में बताया। उन्होंने बिना देर किए तुरंत ही डॉक्टर से परामर्श कर इलाज करवाया और आज पूरी तरह स्वस्थ हैं।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि सर्वप्रथम मरीज की सोनोग्राफी एवं गले की जांच करायी गई, इसके बाद 8 अप्रैल को ऑपरेशन हेतु भर्ती किया गया। जिला चिकित्सालय के कान, नाक, गला विशेषज्ञ डॉ योगेंद्र चौहान के नेतृत्व में चिकित्सक टीम के द्वारा लगभग 01रू30 घण्टे में मरीज के गले में ट्यूमर को सफलता पूर्वक ऑपरेशन कर निकाला गया। 10 दिवस के पश्चात् 18 अप्रैल को टांके निकालकर मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया। चिकित्सकीय लाभ प्राप्त कर मोहित दास अब पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन यापन कर रहे हैं।

सिविल सर्जन ने यह भी बताया कि वर्ष 2021-22 में जिला चिकित्सालय में कुल 1 हजार 12 ऑपरेशन किए गए है।

RKMG COMMUNITY
E-Commerce platform for Indians

समस्त व्यापारि भाइयों और बहनों के लिए e-commerce प्लेटफॉर्म है RKMG community जो कि आपको आने वाले समय में मजबूत करेगा compete करने के लिए हर आन लाइन प्लेटफार्म से।

- हम आपको digital franchise बनाएँगे, जहाँ कई branded companies के समान को competitive रेट पर अपने ग्राहक को बेच पाएंगे और अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे।
- यहाँ अपने ग्राहक को पचास से भी अधिक समान बेच पाएंगे, बिना स्टोक रखे ।
- अपने ग्राहक से पैसे अपने अकाउंट में लेंगे और franchise price काट कर बाकी कम्पनी के ऑडर के लिए देंगे।
- RKMG आप लोगो से रूपए 5000+18% GST Franchise agreement fee लेगी।
- अधिक जानकारी के लिए 7828463843 & 9650145151 पर काल करे।

We are about to launch products live of your interest from 7th of May w®ww. From this day onwards You may Log on to www.rkmg.in/community/inde&.html and you will come to a page "welcome to RKMG community. On that page click on Read more. To buy products and services, click on to ecommerce and you will find all products being displayed. Here you are required to place order for the products at competitive prices as per your choices. You may contact at the below given franchisee for further clarification.

Pradeep Kumar Satpaty

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
Arhum Electronics
9926100315
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361

CONTACT

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

DARE TO COMPARE
QUALITY & PRICE CHALLENGE
Compare! and you'll find no other mattress can give you the quality & price we offer!

RESTEGO MATTRESS
SANJAY RUI BHANDAR
Main Road Pandri, Raipur : 7987081626

खास खबर

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रम सम्मेलन का होगा आयोजनः श्रमिक हितग्राही होंगे लाभान्वित

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान शंकर नगर में श्रम सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के सभी मंत्री, श्रम कल्याण मंडलों के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा श्रमिकों को हितग्राही मूलक योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा। जिसमें करीब 12 हजार श्रमिक हितग्राहियों को 10 करोड़ रूपए की राशि से लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को चेक वितरण कर लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले अतिथियों का सामूहिक बोरे-बासी भोज कार्यक्रम का आयोजन होगा। श्रम सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिलों के श्रमिक शामिल होंगे। श्रमिक सम्मेलन के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर श्रमिकों का ऑनलाईन पंजीयन भी किया जाएगा। प्रदर्शनी स्थल पर चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

श्रमिक दिवस पर मंत्री डॉ. डहरिया ने श्रमिकों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर मेहनतकश श्रमिक भाईयों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि श्रमिक भाई हमारे समाज के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। हमारे मेहनती श्रमवीर विकास के आधार स्तंभ है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में मेहनतकश श्रमिक भाईयों की खुशहाली के लिए सभी जरूरी कार्य किए जा रहे हैं। श्रम मंत्री ने कहा है कि मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण विकास के लिए कृत संकल्पित है। उनके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की परंपरा के अनुसार मई दिवस पर लोगों को गोंदली और अचार के साथ घर-घर में बोरे बासी खाकर अपनी संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाने का आहवान किया गया है।

रायपुर में लू चलने के संकेत, महासमुंद में तापमान 47 डिग्री के करीब

रायपुर। पूरा प्रदेश अभी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में भी लोगों को इससे राहत की उम्मीद नहीं हैं। शनिवार को महासमुंद का पारा 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इतना अधिक तापमान पहुंचना किसी भी क्षेत्र के पशु-पक्षियों के लिए नुकसानदायक होता है। वहीं राजधानी रायपुर समेत बिलासपुर, दुर्ग संभाग में लू चली। मौसम विभाग ने लू के चलते लोगों से सतर्कता बरतने को भी कहा है। रविवार एक मई को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा के आसार बने हुए हैं। वहीं राजधानी का तापमान 44 डिग्री से ज्यादा रहने की आशंका है। इसलिए लू के चपेड़ों से राहत नहीं मिलेगी। शनिवार को रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में लू चली। रायपुर का अधिकतम तापमान तो 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। प्रदेश में भर एडब्ल्यूएस महासमुंद का अधिकतम तापमान सर्वाधिक रहा। यहां का अधिकतम तापमान 46.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में भी लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। गर्मी अभी और तपाने वाली है। कई क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई।

दक्षिणी इलाकों में हल्की वर्षा होने के आसार, राहत मिलने की उम्मीद कम

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि एक द्रोणिका मध्य छत्तीसगढ़ से लक्षद्वीप तक 0.9 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश के मध्य और उत्तर भाग में उत्तर से गर्म और शुष्क हवा आ रही है, जबकि दक्षिणी भाग में अपेक्षाकृत ठंडी व नमीयुक्त हवा आ रही है। इसके प्रभाव से ही रविवार एक मई को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा या गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में लू भी चलेगी।

सभी समाजों के उपयोग के लिए बनाए गए सामाजिक भवन : शिवकुमार डहरिया

नगरीय प्रशासन मंत्री ने मुनरेठी और समोदा में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया रायपुर जिले के आरंग विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम मुनरेठी और नगर पंचायत समोदा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एंव भूमिपूजन किया। डॉ. डहरिया समोदा में भक्त माता कर्मा जयंती के कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आरंग क्षेत्र में सभी समाजों के उपयोग के लिए सामाजिक भवन बनाए गए है जहां पर सुविधा के साथ सामाजिक आयोजन सम्पन्न हो सकेंगे। विधानसभा आरंग क्षेत्र में सभी समाज के लोगों के लिए लगभग 215 सामाजिक भवनों का निर्माण कराया जा चुका है जिसमें नगर पालिका आरंग में लगभग 53 समाज वर्ग के लिए सामाजिक भवन बनाया गया है जिसमें साहू समाज, निषाद, पाल, लोधी, धीवर, पटेल, जलक्षत्री, सोनकर, देवांगन, चंद्राकर, मुसलमान, सिख, अग्रवाल, ब्राम्हण, सतनामी, समाज सहित अम्बेडकर मांगलिक भवन इत्यादि सामाजिक भवनों का निर्माण किया जा चुका है। इन सामाजिक भवनों के निर्माण हो जाने से सभी समाज के लोगों में खुशी का माहौल है। समाज के लोगों द्वारा मंत्री डॉ. डहरिया का आभार व्यक्त किया है।

नगरीय प्रशासन मंत्री ने नगर पंचायत समोदा में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों में वार्ड क्र. 1 में हॉट बाजार निर्माण कार्य 39.91 लाख रूपए, वार्ड क्रं. 1 में प्राथ शाला समोदा के पास चौक सौन्दर्यीकरण कार्य 7.73 लाख रूपए, वार्ड 11 में कागदेही स्वागत गेट के पास चौक सौन्दर्यीकरण कार्य 6.14 लाख रूपए की लागत से वार्ड क्र. 01 में कर्मा मंदिर के पास डोम शेड एवं फ्लोरिंग कार्य 25.00 लाख, वार्ड क्रं. 01 में पुन्नी मेला स्थल में विकास एवं उन्नयन कार्य 20.78 लाख रूपए वार्ड क्रं. 06 कुसमंद मोड चौक सौन्दर्यीकरण कार्य 5.44 लाख, वार्ड क्रं. 07 कुसमंद बस स्टैण्ड चौक सौन्दर्यीकरण कार्य 7.75 लाख, रंगमंच निर्माण कार्य वार्ड क्रं. 04 बाजार चौक 3.96 लाख, रंगमंच निर्माण कार्य वार्ड क्रं. 10 कुसमंद में 3.96 लाख रूपये, रंगमंच निर्माण कार्य वार्ड क्रं. 09 कुसमंद 3.96 लाख, अधोसंरचना मद अन्तर्गत स्वीकृत सीसी रोड व आर. सीसी नाली निर्माण कार्य (55 कार्य) हेतु 298.09 लाख, वार्ड क्रं. 14 कागदेही में सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य एवं सांस्कृतिक भवन में बाउड्रीवाल निर्माण कार्य 25.00 लाख, वार्ड क्रं. 09 कुसमंद सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य एवं सांस्कृतिक भवन में बाउड्रीवॉल निर्माण कार्य 25.00 लाख का भूमिपूजन एवं गोठान निर्माण कार्य कुसमंद वार्ड क्रं. 09 में 19.11 लाख लोकार्पण कार्य किये जाएंगे। साथ ही ग्राम मुनरेठी में तालाब पिचिंग कार्य भूमिपूजन एवं आदर्श ग्राम विकास कार्य 40.00 लाख का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किये उक्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष खिलेष देवांगन, कोमल सिंह साहू, शिव साहू, आजू वंशे, संजय चेलक, नंदू साहू, नारायण कुर्रे, पुनीत निषाद, कुलदीप वर्मा, खेमीचंद साहू शामिल हुए।

प्रदेश के 1.80 लाख शिक्षकों का स्व-आकलन शुरू

एससीईआरटी ने बनाया टीचर सेल्फ एसेसमेंट का टूल्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में संचालित स्कूलों में कक्षा पहली से कक्षा बारहवीं तक के करीब एक लाख अस्सी हजार शिक्षक स्वयं का आकलन करने जा रहे हैं। यह आकलन आज से शुरू हो गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के पढ़ई तुहर दुआर पोर्टल पर ही शिक्षक स्व आकलन का पृष्ठ जोड़ा गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा शनिवार दोपहर 3 बजे से वेबिनार आयोजित कर सभी शिक्षकों को स्व-आकलन की पद्धति से अवगत कराया गया। इसके पश्चात पोर्टल पर शिक्षक स्व आकलन का यह पृष्ठ सक्रिय हो गया। शिक्षक अपना स्व आकलन मोबाइल के माध्यम से कर पाएंगे।

उल्लेखनीय है कि सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने जिले के शत-प्रतिशत शिक्षकों का स्व-आकलन सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। प्रदेश के 5540 संकुलों के प्राचार्य अपने संकुल केंद्र अंतर्गत आने वाली सभी शालाओं के शिक्षकों का संकुल केंद्र पर स्व-आकलन सुनिश्चित करेंगे।

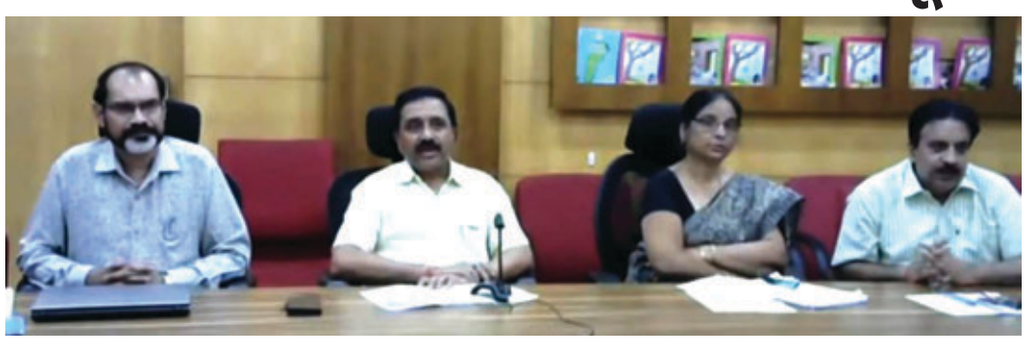

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संचालक राजेश सिंह राणा ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक स्व आकलन का यह टूल्स राज्य शैक्षिक परिषद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने विकसित किया है। यह एनसीईआरटी द्वारा विकसित शिक्षक स्व आकलन उपकरण पीआईएनडीआईसीएस (2013) और टीएसएआर (2019) पर आधारित एवं इसका सरलीकृत रूप है। राणा ने बताया कि शिक्षक स्व-आकलन का यह उपकरण शिक्षकों को 6 निष्पादन मानकों पर आकलित करता है। शिक्षक इन मानकों से संबंधित 40 निष्पादन सूचकों पर अपने निष्पादन स्तर का आकलन स्वयं करते हैं। शिक्षक स्व आकलन के इस टूल से स्वयं की क्षमता और कमजोरी जान पाते हैं और अपनी शैक्षिक उन्नयन के क्षेत्रों से परिचित होते हैं। शिक्षक की वास्तविक भूमिका और उससे जुड़ी अपेक्षाओं को जान पाते हैं। शिक्षक अपने कमजोर क्षेत्र को जानकर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को समझ पाएंगे। शिक्षक स्व-आकलन छत्तीसगढ़ को एससीईआरटी द्वारा एनआईसी के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है।

बच्चों को मध्यान्ह भोजन में मिलेगा जैविक सब्जियों का स्वाद

कृषि संकाय वाले 214 हायर सेकेण्डरी स्कूल चिहांकित

स्कूलों के किचन गार्डन में उगाई जाएंगी जैविक सब्जियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर आगामी 3 मई को अक्षय तृतीया को राज्य में माटी पूजन दिवस से स्कूल शिक्षा विभाग एक अभिनव पहल शुरू करने जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के ऐसे हायर सेकेण्डरी स्कूल जहां कृषि संकाय संचालित है, वहां विकसित किचन गार्डन में अब पूर्णत: जैविक सब्जियां उगाई जाएंगी, जो बच्चों को मध्यान्ह भोजन में खाने को मिलेंगी।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य में गौमूत्र एवं अन्य जैविक पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देने उद्देश्य से अक्षय तृतीया 3 मई को माटी पूजन दिवस के रूप में मनाते हुए यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान में स्कूलों की भागीदारी होगी। पूर्व में मुख्यमंत्री की पहल पर बच्चों ने किचन गार्डन तैयार किया था। इन किचन गार्डन में अब जैविक सब्जियों का उत्पादन किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

प्रदेश के 214 हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कृषि संकाय संचालित है। अध्ययन-अध्यापन के लिए स्कूलों में मापदंड अनुरूप न्यूनतम 4 एकड़ कृषि भूमि उपलब्ध है। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार उपलब्ध भूमि में जैविक खेती की जाएगी। इसके अंतर्गत भूमि का संधारण, जैविक बीज, वर्मी कम्पोस्ट खाद, गौमूत्र आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा गया है। जैविक खेती के लिए संबंधित जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की मदद ली जाएगी।

स्कूल स्तर पर विकसित किए गए किचन गार्डन में जैविक सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग किया जाएगा। इसमें सब्जियों की पौष्टिकता एवं आवश्यक खनिज की मात्रा भी पर्याप्त होगी। जैविक खेती की अवधारणा को प्रचारित करने के लिए स्कूल सबसे अच्छा माध्यम हो सकता है। वर्तमान में राज्य के लगभग 90 प्रतिशत स्कूलों में आहता और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है। इस अभियान का उद्देश्य स्कूलों में थोड़े प्रयास से जैविक किचन गार्डन, पोषण वाटिका का विकास किया जाना है। राज्य के सभी जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र और उद्यानिकी विभाग के वैज्ञानिकों, अधिकारियों के सहयोग से स्कूलों के बच्चों, शिक्षकों, पालकों, स्थानीय महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित कर गांव के लिए जैविक खेती के मॉडल का विकास शाला परिसर में ही किया जा सकता है। स्कूलों में जैविक किचन गार्डन से बच्चे इस कार्य में प्रशिक्षित होंगे और उनमें जैविक खेती के प्रति लगाव उत्पन्न होगा। इसी तरह शहरी क्षेत्रों के ऐसे स्कूल जहां किचन गार्डन के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। वहां गमलों में नार वाली सब्जियां जैसे लौकी, कुम्हड़ा, तरोई, करेला आदि का रोपण इस अभियान के तहत किया जाएगा। इससे बच्चों का प्रकृति के प्रति रूझान बढ़ेगा और उनमें पर्यावरण को संरक्षित करने का भाव जागृत होगा।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स की धमक अब देश की राजधानी तक

ओलंपियन बॉक्सर वीजेन्दर सिंह हुए मुरीद

छत्तीसगढ़ हर्बल्स में बनाए जा रहे 120 से अधिक उत्पाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' एक राज्य स्तरीय ब्रांड है और यह अब राष्ट्रीय स्तर का ब्रांड बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों की दिनों-दिन बढ़ती मांग की वजह से पिछले तीन वर्षों में इसकी बिक्री 01 करोड़ रूपए से बढ़कर 7 करोड़ रूपए हो गई है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 26 से 30 अप्रैल तक आयोजित इंटरनेशनल फूड एण्ड हॉस्पिटेलिटी फेयर 'आहार एक्सपो 2022' में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा छत्तीसगढ़ हर्बल्स के स्टॉल लगाए गए थे। यह स्टॉल अपने उत्पादों की गुणवत्ता और बेहतर स्वाद के फलस्वरूप लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना रहा। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद राज्य के आदिवासी-वनवासियों द्वारा संग्रहित तथा प्रसंस्कृत लघु वनोपजों से बनाए जाते हैं और वर्तमान में यह 17 हजार से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष आजिविका प्रदान कर रहा है। इसके अंतर्गत 120 से अधिक उत्पाद महिला स्वयं सहायता समूहों के स्वामित्व और संचालित छोटी इकाईयों में बनाए जाते हैं। इनमें हर्बल से लेकर फूड और पर्सनल केयर तक के उत्पादों के रेंज ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में वनवासियों को लघु वनोपजों के संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण और मार्केटिंग के जरिए रोजगार और आय के साधन उपलब्ध कराने में अच्छी सफलता मिल रही है। इसके तहत छत्तीसगढ़ हर्बल्स ब्रांड नेम से बेचे जाने वाले उत्पादों के व्यापार में हर साल दिन दूनी-रात चौगुनी वृद्धि दर्ज की जा रही है। राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक संजय शुक्ला ने बताया कि नई दिल्ली में लगाए गए आहार एक्सपो मेला में छत्तीसगढ़ के वनोत्पाद से बने छत्तीसगढ़ हर्बल्स चर्चा में बने रहे। यहां के वनों से निर्मित नैसर्गिक उत्पाद न केवल आम लोगों को बल्कि ओलंपियन बॉक्सर वीजेन्दर सिंह को भी लुभाने में कामयाब रहे। इन्हें छत्तीसगढ़ के वनांचल के उत्पादनों की महक स्टॉल तक खींच लाई। वीजेन्दर सिंह ने स्टॉल में पहुंचकर आदिवासी महिलाओं से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ हर्बल्स की खूब सराहना की। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड में भृंगराज तेल, नीम तेल, हर्बल साबुन, च्यवनप्राश, शुद्ध शहद, सेनेटाइजर, हर्बल हवन सामग्री, बीज तेल, आंवला जूस, बेल शर्बत, जामुन जूस, महुआ आर.टी.एस., महुआ स्क्वैश, हर्बल कॉफी, आंवला लच्छा, अचार, पाचक, कैंडी, बेल मुरब्बा, चाय उपलब्ध हैं। जबकि महुआ के लड्डू, जैम, कुकीज़, अचार, चिक्की, चक्स और इमली के ब्रिक्स, कैंडी, कौंचपाक, इमली सॉस एवं जामुन चिप्स, मसाला गुड़ पाउडर एवं आयुर्वेद चूर्ण के विभिन्न उत्पादों का भी विक्रय किया जा रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अनुष्का शर्मा ने 14 साल के करियर में 22 फिल्में की, बेटी की परवरिश के लिए छोड़ी खुद की प्रोडक्शन कंपनी

अनुष्का शर्मा आज अपना 34वां बर्थ डे मना रही हैं। अनुष्का एक्ट्रेस के साथ फिल्म प्रोड्यूसर भी है। 2012 फोर्ब्स इंडिया के टॉप 100 में अनुष्का को भी जगह मिली थी और वहीं 2018 में फोर्ब्स एशिया के टॉप 30 के अदंर भी इनका नाम शामिल था। अनुष्का शर्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था, लेकिन यह पली-बढ़ी बैंगलोर में थीं। इनके पिता कर्नल अजय कुमार शर्मा सेना में अधिकारी थे। अनुष्का के भाई कर्णेश शर्मा भी फिल्म निर्माता है। अनुष्का ने अपनी फिल्मी करियर में अब तक 22 फिल्मों में काम किया है।

शुरुआत से मॉडल बनना चाहती थीं

एक्ट्रेस शुरुआत से मॉडल बनना चाहती थीं। ग्रेजुएशन की पढ़ाई खत्म करने के बाद मॉडलिंग करने के लिए ये मुंबई चली गयी। इन्होंने अपना पहला मॉडलिंग असाइनमेंट 2007 में फैशन डिजाइनर वेंडेल रॉड्रिक्स के लिए किया था। फिर स्प्रिंग समर 2007 कलेक्शन में इनका फाइनल मॉडल चुना गया। इसके बाद इन्हें एक के बाद एक कई सारे ब्रांड के विज्ञापनों में काम करने का मौका मिला। इन्होंने सिल्क एंड शाइन, व्हिस्पर, नाथला अभूषण और फिएट पालियो जैसे ब्रांड के लिए काम किया है।

मॉडलिंग के दौरान, अनुष्का ने एक एक्टिंग स्कूल में एंट्री लिया और फिल्मों के लिए ऑडिशन देना शुरू किया। ऑडिशन के दौरान इन्होंने यशराज फिल्म्स स्टूडियो में अपना स्क्रीन टेस्ट दिया। ऑडिशन देने के बाद इन्हें 3 फिल्में 'रब ने बना दी जोड़ी', 'बदमाश कपंनी' और 'बैंड बाजा बारात' ऑफर हुई, जिसको इन्होंने साइन किया।

फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से फिल्मी करियर की शुरुआत की

अनुष्का ने साल 2008 में आदित्य चोपड़ा की रोमांटिक फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में शाहरुख खान मेन लीड रोल में थें। अनुष्का इस फिल्म में तानी साहनी के किरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म के लिए इन्हें बेस्ट फीमेल एक्ट्रेस और बेस्ट फीमेल डेब्यू जैसे अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। इनके फिल्मी करियर में 'जब तक है जान', 'पीके', 'सुल्तान', 'ए दिल है मुश्किल' जैसी हिट फिल्में शामिल है वहीं 'मटरू की बिजली का मन डोला', 'बॉम्बे वेलवेट', 'फिलौरी' जैसी फिल्में फ्लॉप रहीं। फिल्म जब तक है जान साल 2012 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म थी।

शैम्पू के ऐड सेट पर हुई थी विराट से मुलाकात

साल 2013 में ही इनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से हुई। इन दोनों ने एक शैम्पू के ऐड में साथ में काम किया था और फिर कुछ साल डेट करने के बाद दोनों ने इटली में एक निजी समारोह के दौरान शादी कर ली थी। दोनों की एक बेटी है जिसका नाम वामिका है।

साल 2015 में अनुष्का अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ मिलकर प्रोडक्शन कंपनी लॉन्च की थी। इस प्रोडक्शन कंपनी के बैनर के तले इन्होंने एनएच 10, फिलौरी, परी जैसी फिल्में बनाई है। पर हाल ही में अनुष्का ने बेटी की परवरिश के लिए इस प्रोडक्शन कंपनी को छोड़ दिया।

केजीएफ-2 1000 करोड़ कमाने वाली चौथी फिल्म बनी इस फिल्म की कमाई 2022 की 5 बड़ी फिल्मों से ज्यादा

केजीएफ-2 फिल्म ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ कलेक्शन कर लिया है। आरआरआर, बाहुबली 2 और दंगल के बाद केजीएफ-2 1000 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इन चार फिल्मों में से तीन साउथ की फिल्में हैं, जबकि बॉलीवुड की सिर्फ दंगल ही ये आकंड़ा पार कर सकी है।

इसके अलावा केजीएफ- 2 फिल्म 12 दिनों में 300 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली 10वीं फिल्म भी बन गई है। केजीएफ-2 एक कन्नड़ फिल्म है जो हर दिन बड़े रिकॉर्ड ब्रेक कर रही है। इससे पहले 25 मार्च को रिलीज हुई आरआरआर भी पहले दिन ही 257 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई थी। साउथ की फिल्में लगातार बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई कर रही हैं, लेकिन बॉलीवुड फिल्में अपनी लागत निकाल पाने में भी असफल हो रही हैं। आंकड़ों को देखते हुए हर किसी ने बॉलीवुड की तुलना साउथ फिल्मों से करना शुरू कर दिया है। आइए जानते हैं साउथ फिल्मों का बॉलीवुड पर क्या असर पड़ रहा है-

2022 में अमिताभ बच्चन की झुंड, अक्षय कुमार की बच्चन पांडे, आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी, राजकुमार राव की बधाई दो रिलीज हुई है। इन सभी फिल्मों का कुल कलेक्शन साउथ की फिल्म केजीएफ-2 के महज 15 दिनों के कलेक्शन से कम है।

कोरोनाकाल में जहां राधे, अंतिम, थलाइवी जैसी बॉलीवुड फिल्में बुरी तरह फ्लॉप हुईं वहीं दूसरी लहर के पीक में रिलीज हुई मास्टर ने 250 करोड़ का कलेक्शन कर साबित कर दिया कि दर्शकों को स्टारकास्ट नहीं बल्कि यूनीक स्टोरी की जरूरत है। वहीं कोरोनाकाल में रिलीज हुईं साउथ फिल्मों अन्नाथे, पुष्पा, मरक्कड़, वकील साब, राधे श्याम ने भी रिकॉर्डतोड़ कमाई की।

कोरोनाकाल में बॉलीवुड फिल्में भी रिलीज हुईं लेकिन इनमें से सिर्फ अक्षय कुमार की सूर्यवंशी और आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर सकीं।

साउथ फिल्मों का रेवेन्यू बॉलीवुड से ज्यादा-

2021 में साउथ इंडस्ट्री की कुल 180 फिल्में रिलीज हुईं जिनसे 1080 करोड़ का कलेक्शन हुआ। वहीं बॉलीवुड में सिर्फ 55 फिल्में रिलीज हुई हैं जिनसे 760 करोड़ कमाई हुई थी। वहीं कोरोनाकाल से पहले 2019 में साउथ का रेवेन्यू 3900 करोड़ और बॉलीवुड का सिर्फ 2800 करोड़ था।

क्यों दर्शकों को पसंद नहीं आ रहीं बॉलीवुड फिल्में?

साउथ में लगातार बाहुबली, केजीएफ, पुष्पा जैसी फ्रेश और दमदार डायलॉग वाली फुल मसाला फिल्में बन रही हैं वहीं दूसरी तरफ बॉलीवुड अब भी कॉप ड्रामा (सूर्यवंशी, राधे), बायोग्राफिकल फिल्में (गंगूबाई काठियावाड़ी, थलाइवी, 83), रीमेक (लक्ष्मी, जर्सी, कबीर सिंह, अंतिम) और सीक्वल (बंटी और बबली 2, सत्यमेव जयते 2) में सीमित रह गया है। बॉलीवुड में लगातार रीमेक फिल्में बनाने का ट्रेंड है। इन रीमेक को पहले ही साउथ बेल्ट में देखा जा चुका होता है जिससे ये सिर्फ हिंदी ऑडियंस को ही अट्रैक्ट कर पाती हैं।

पैन इंडिया फिल्म राधे-श्याम का बॉक्स ऑफिस क्लैश मेगास्टार अमिताभ बच्चन की झुंड से हुआ। जहां झुंड ने अब तक सिर्फ 13.51 करोड़ का कलेक्शन किया है, वहीं प्रभास की फिल्म 211 करोड़ से ज्यादा बिजनेस कर चुकी है। दिसम्बर 2021 में रिलीज हुई 83 का क्लैश अल्लू अर्जुन की पुष्पा से हुआ था। 83 फिल्म सिर्फ 193 करोड़ कमा सकी जबकि पुष्पा ने 365 करोड़ कमाए थे।

बॉक्स ऑफिस पर साउथ फिल्मों का दबदबा

इन क्लैश और नतीजों को देखकर लाल सिंह चड्ढा और गंगूबाई काठियावाड़ी को भी साउथ की फिल्मों केजीएफ 2 और आरआरआर के साथ रिलीज करने से रोका जा चुका है।

क्यों साउथ से है बॉलीवुड को खतरा?

साउथ की फिल्मों को कई भाषाओं में पैन इंडिया रिलीज मिल रही है। सालभर में कई साउथ की फिल्में अब देशभर में रिलीज हो रही हैं, जिनसे क्लैश के डर से बॉलीवुड फिल्मों की रिलीज डेट बदलनी पड़ रही है। साउथ फिल्मों की पैन इंडिया रिलीज से हिंदी पिल्मों को कम स्क्रीन मिल रही हैं, जो उनका कलेक्शन कम होने का बड़ा कारण बन रहा है।

बॉलीवुड में एंट्री ले रहे हैं साउथ एक्टर्स

साउथ एक्टर्स की देशभर में काफी पॉपुलैरिटी है। अब साउथ ऑडियंस को लुभाने के लिए बॉलीवुड पिल्मों में भी साउथ एक्टर्स नजर आने लगे हैं। पैन इंडिया स्टार प्रभास पहले ही साहो से बॉलीवुड डेब्यू कर चुके हैं। जिसके बाद जल्द ही विजय देवरकोंडा लाइगर में, नाग चैतन्य लाल सिंह चड्ढा में, रश्मिका मंदाना- मिशन मजनूं से बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। इनके अलावा कई और साउथ एक्टर्स जल्द बॉलीवुड फिल्मों में नजर आएंगे।

बॉलीवुड भी अब साउथ की राह पर

साउथ फिल्मों से मुकाबला करने के लिए अब मेकर्स एक्सपैरिमेंट करते हुए ब्रह्मास्त्र, आदिपुरुष, सीता- द इन्कार्नेशन जैसी बड़े बजट की फिल्में लेकर आ रहे हैं। बाहुबली और केजीएफ के बाद अब ब्रह्मास्त्र और गणपत को भी दो अलग पार्ट में रिलीज किया जाने वाला है। देखना होगा कि कैसे ये फिल्में साउथ को हावी पड़ने से रोकती हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा की मानें तो साउथ फिल्में बॉलीवुड के लिए खतरा नहीं हैं। साउथ की सबसे बेहतरीन फिल्मों का बॉलीवुड की सारी फिल्मों से तुलना गलत है। हालांकि भविष्य में इससे बचने के लिए बॉलीवुड को स्टारपॉवर की जगह कंटेंट पर ध्यान देने की जरूरत है। अब तक बॉलीवुड फिल्मों स्टोरी पर कम और स्टार्स पर ज्यादा तवज्जो देती आई हैं, हालांकि साउथ में स्टारपॉवर के साथ स्क्रिप्ट भी दमदार होती हैं। पैन इंडिया स्टार्स से भी बॉलीवुड एक्टर्स को खतरा नहीं हैं। जो भी एक्टर अच्छा कंटेंट देगा, लोग उसे पंसद करेंगे।

जल्द रिलीज होगी इरफान खान की फिल्म, सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार 'अपनों से बेवफाई'

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इरफान खान अपनी बेहतरीन अदाकारी और दमदार डायलॉग डिलेवरी के लिए जाने जाते हैं। अभिनेता भले ही आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका अभिनय आज उन्हें लोगों के बीच जिंदा रखा हुआ है। इंडस्ट्री के बेहतरीन और प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक इरफान खान ने अपने हर किरदार के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अभिनेता को गए दो साल बीत चुके हैं, लेकिन बावजूद इसके उनके किरदार और उनकी फिल्में हमेशा उनकी मौजूदगी का एहसास कराती रहेगी। इसी बीच अब इरफान के फैंस के लिए और अच्छी खबर सामने आई है। अभिनेता की एक फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है।

दुनिया को अचानक अलविदा कह चुके इरफान खान अपने पीछे कई फिल्में और प्रोजक्ट्स अधूरा ही छोड़ गए। उनके कई प्रोजेक्ट्स ऐसे जो अभी रिलीज नहीं हुए। ऐसे

में अब उनकी एक फिल्म से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, इरफान खान की फिल्म 'अपनों से बेवफाई' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को पहले अभिनेता की दूसरी पुण्यतिथि पर रिलीज किया जाना था,लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

इस बारे में अब फिल्म के निर्देशक पीयूष शाह ने बताया कि 'हम चाहते थे कि हमारी इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म को दर्शक देखने के लिए आए। लेकिन इस हफ्ते 29 अप्रैल को पहले से तीन फिल्में रिलीज होनी थी।' फिल्म 'अपनों से बेवफाई' को साल 2019 में ही सीबीएफसी से सर्टिफिकेट मिल गया था, जिसके बाद मेकर्स फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में थे। लेकिन बाद में फिर कोरोना वायरस की वजह से फिल्म उस समय रिलीज नहीं हो पाई।

इस बारे में पीयूष शाह ने बताया कि, 'हम अपनों से बेवफाई फिल्म को अप्रैल 2020 में रिलीज करना चाहते थे। यह फिल्म अंग्रेजी मीडियम के ठीक बाद रिलीज की जानी थी, फिर लेकिन लॉकडाउन लग गया और फिर फिल्म की रिलीज की योजना को टालना पड़ा।' इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म को लेकर इरफान का क्या कहना था। पीयूष ने कहा कि 'वह जेंटलमैन थे और उन्होंने मुझे कहा था कि फिल्म को रिलीज कर दीजिए, मेरा फुल सपोर्ट आपको है।'

'पाताल लोक-2' के लिए जयदीप अहलावत ने वसूली 50 गुना ज्यादा फीस, चार्ज किए 20 करोड़ रुपए

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपनी ओरिजिनल वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन की अनाउंसमेंट की है। इस सीरीज के दूसरे पार्ट में भी जयदीप अहलावत एक बार फिर पुलिस मैन 'हाथीराम चौधरी' के किरदार में नजर आएंगे। अब खबर आ रही है कि जयदीप ने सीरीज में दोबारा इस रोल को निभाने के लिए मेकर्स से मोटी रकम वसूली है।

जयदीप ने चार्ज की 20 करोड़ रुपए फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जयदीप अहलावत ने 'पाताल लोक-2' के लिए अपनी फीस 50 गुना ज्यादा ली है। बताया जा रहा है कि एक्टर ने सीरीज के दूसरे सीजन के लिए 20 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है। वेब सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया है कि एक सफलता कलाकारों की किस्मत बदल देती है। हमारी इंडस्ट्री सम्मान और सफलता की कद्र करती है। जयदीप पाताल लोक की सफलता के लिए एक मजबूत कड़ी थे। 'पाताल लोक' के पहले सीजन में 'हाथीराम चौधरी' का किरदार निभाने के लिए 40 लाख रुपए की मामूली फीस लेने वाले जयदीप को अब 20 करोड़ रुपए का बिग अमाउंट दिया जा रहा है।

सूत्र ने यह भी कहा कि एक एक्टर को हर सीजन के लिए अधिक भुगतान किया जाना आम बात है। जयदीप द्वारा हासिल की गई उपलब्धि पूरी तरह से एक अलग सफलता की कहानी है। क्योंकि, हर कोई जानता था कि चीजें बदल जाएंगी, लेकिन इतनी जल्दी और इतनी तेजी से यह कहा नहीं जा सकता था।

साल 2023 में रिलीज होगी 'पाताल लोक-2'

साल 2020 में अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई अनुष्का शर्मा और उनके भाई कर्णेश शर्मा के प्रोडक्शन हाउस 'क्लीन स्लेट फिल्म्स' की वेब सीरीज 'पाताल लोक' काफी पॉपुलर हुई थी। सीरीज की कहानी और लीड स्टार्स ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। पुलिस मैन हाथीराम चौधरी के किरदार में नजर आए जयदीप अहलावत ने हर किसी का दिल जीता था। बता दें कि पाताल लोक का दूसरा सीजन अभी प्री-प्रोडक्शन फेज में है। रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स इस सीजन को साल के अंत तक या फिर साल 2023 की शुरुआत तक स्ट्रीम करने की प्लानिंग कर रहे है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

उपसंचालक सहारे को सेवानिवृत्त होने पर दी गई आत्मीय बिदाई

रायपुर। जिला जनसंपर्क कार्यालय जांजगीर-चांपा में पदस्थ वरिष्ठ उप संचालक एम.आर. सहारे की अधिवार्षिकी पूर्ण होने पर जिला जनसंपर्क कार्यालय जांजगीर-चांपा द्वारा उन्हें आत्मीय बिदाई दी। इस अवसर पर जनसंपर्क कार्यालय जांजगीर के कर्मचारियों ने उन्हें शॉल, फल और स्मृति चिन्ह भेंट की और उनके सुखमय जीवन की कामना की। सहारे गत सवा दो वर्षों से जांजगीर में पदस्थ रहे। सहारे ने इस अवसर पर जिला जनसंपर्क कार्यालय के कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने अपने कार्यकाल में कर्मचारियों द्वारा शासकीय कार्यों के निष्पादन में उन्हें मिले सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

परघनिया दंपति ने एकसाथ देहदान कर पेश की मानवता की मिसाल

भिलाई। मानवता की भलाई के लिए मरणोपरांत देहदान की अनुकरणीय मिसाल कायम करने वालों में परघनिया दंपत्ति का नाम भी शामिल हो गया है। सेवानिवृत कृषि विस्तार अधिकारी महेंद्र कुमार परघनिया एवं उनकी पत्नी श्रीमती चन्द्रकला परघनिया ने प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के पश्चात् उनके माध्यम से देहदान की एकसाथ 2 वसीयतें जारी की । देहदान हेतु उनके परिजन अजय बंछोर ने प्रनाम के पवन केसवानी से संपर्क किए जाने पर दलीप परिसर,कैलाश नगर स्थित उनके निवास में अनेक प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में देहदान की औपचारिकता संपन्न करवाई गई । देहादन के इस पुनित कार्य में सहभागिता प्रदान करने वालों में प्रनाम के पवन केसवानी, अजय बंछोर के अलावा अन्य प्रबुद्धजनों में प्रकाश गद्रे, श्रीमती वसुधरा गद्रे, प्रीतम बंछोर,राजेंद्र सावरकर, चैतन्य रत्नानी एवं गौरव केसवानी शामिल थे ।

विचाराधीन कैदियों के साथ मानवीय संवेदना दिखाए जाने की जरुरतः मोदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उच्च न्यायपालिका के काम काज में क्षेत्रीय भाषाओं का समावेश तथा न्याय प्रक्रिया को सुगम और कम खर्चीली बनाने के लिए आधुनिक तथा प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल दिया है। मोदी ने जेलों में न्याय के इंतजार में पड़े कैदियों के मामलों पर संवेदनशील रूख अपनाए जाने पर बल देते हुए कहा कि जहां तक संभव हो विचाराधीन कैदियों के मामले में मानवीय संवेदनाओं और कानून के आधार पर प्राथमिकता से फैसले किए जाए और संभव हो, तो ऐसे कैदियों को जमानत पर छोड़ा जाए।

विज्ञान भवन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उद्घाटन सत्र को उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना और विधि मंत्री किरण रिजिजू ने भी संबोधित किया। न्यायमूर्ति रमना ने भी श्री मोदी से पहले अपने वक्तव्य में न्याय प्रक्रिया में भारतीय भाषाओं के प्रयोग के आवश्यकता रेखांकित करने के साथ-साथ जिला स्तरीय न्यायालयों के बुनियादि ढ़ांचे के सुधार तथा न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा मजबूत किए जाने पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों से यह भी अपील की कि वे काल विगत हो चुके कानूनों को खत्म कर लोगों को अनावश्यक कानूनों के जंजाल से छुट्टी दिलाने की पहल करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 2015 में ऐसे 1,800 कानूनों को चिह्नित किया था, जो अप्रासंगिक हो चुके थे। उन्होंने कहा कि ऐसे 1450 कानून केंद्र ने समाप्त कर दिये हैं लेकिन राज्यों की तरफ से केवल 75 कानून ही खत्म किए गए हैं। मोदी ने विचाराधीन कैदियों की दुर्दशा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि इस समय देश में करीब साढ़े तीन लाख कैदी ऐसे हैं, जिनपर मुकदमें की कार्रवाई लंबित है, जिनमें अधिकांश गरीब या सामान्य परिवार के हैं। उन्होंने कहा,मैं सभी मुख्यमंत्रियों, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों से अपील करूंगा कि वे मानवीय संवेदनाओं और कानून के आधार पर इन मामलों को प्राथमिकता दें।

श्री मोदी ने इसी संदर्भ में कहा कि हर जिले में जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति होती है, जो ऐसे मामलों की समीक्षा करती है। उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो, विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने का विचार किया जा सकता है। मोदी ने न्यायालयों में स्थानीय भाषाओं के प्रोत्साहन पर बल देते हुए कहा, इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और वे इससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे।

उनूहोंन कहा कि किसी भी देश में स्वराज का आधार न्याय होता है। न्याय जनता की भाषा में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषा भी सामाजिक न्याय का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि न्यायिक निर्णयों को भाषा के कारण न समझ पाने की वजह से ही आम जन अदालतों की निर्णयों और शासन के आदेश में फर्क नहीं कर पाते।

मोदी ने कहा, सामाजिक न्याय के लिए न्यायपालिका के तराजू तक जाने की जरुरत नहीं होती, कई बार भाषा भी सामाजिक न्याय का माध्यम हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि कई राज्यों ने तकनिकी और चिकित्सा शिक्षा को मातृभाषा में प्रदान करने की पहल की है। मोदी ने न्यायपालिका में टेक्नोलॉजी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा,भारत सरकार भी न्याय प्रणाली में प्रौद्योगिकी के संभावनाओं को डिजिटल इंडिया मिशन का एक आवश्यक अंग मानती है। उन्होंने कहा कि ई-न्यायालय परियोजना को आज एक अभियान की तरह ही लागू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत में हो रही डिजिटल क्रांति का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटे कस्बों और यहां तक कि गांवों में भी डिजिटल लेन देने आम हो गयी है। पूरे विश्व में जितने डिजिटल लेन-देन हुए, उसमें से 40 प्रतिशत लेन-देन भारत में हुए।

शास्त्रीय संगीत, नृत्य कला हमारे मन मस्तिष्क को शुद्ध करने के साथ ही शांति प्रदान करता हैः डॉ. महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खैरागढ़ महोत्सव का आज विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज जीवन में जो आपाधापी है, उसमें शास्त्रीय संगीत, नृत्य कला की नितांत आवश्यकता है। यह मन-मस्तिष्क को शुद्ध करने के साथ ही मन को शांति प्रदान करता है और आज की जीवनशैली में इसकी नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खैरागढ़ महोत्सव छत्तीसगढ़ में सबसे बड़े संगीत महोत्सव के रूप में जाना जाता है।

शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य कला पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। शास्त्रीय संगीत से खैरागढ़ की विश्व में पहचान बनी है। विश्व के कलासाधक यहां आते हैं और संगीत की विधा सीखते हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत भारत का गौरव है और इसकी महश्रा पूरे विश्व में है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि राजा वीरेंद्र बहादुर और रानी पऽावती ने अपनी पुत्री राजकुमारी इंदिरा के नाम पर इस विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी है और आज यह विश्वविद्यालय इस मुकाम पर पहुंचा है।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति साझा करते हुए बताया कि इस विश्वविद्यालय के भूमिपूजन की आधारशिला स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने रखी थी। आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा था यह संभव नहीं है कि सभी संगीतज्ञ बने लेकिन यह आवश्यक है कि सभी संगीत को अपने जीवन का हिस्सा माने। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय का उश्ररदायित्व है कि स्वस्थ संगीत का निर्माण करें। इस दिशा में यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रयास करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राजा वीरेन्द्र बहादुर और रानी पऽावती के दान और योगदान से इस विश्वविद्यालय की स्थापना हो सकी है। यह विश्वविद्यालय भारत की सर्वश्रेष्ठ साधना केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है। यह सब की मेहनत का नतीजा है और इस मुकाम पर पहुंचने में कामयाब हुआ है। विकास के इस दौर में शास्त्रीय संगीत, कला नृत्य का महत्व बढ़ा है। आज हम सबको आत्मिक शांति की बहुत जरूरत है और यह विश्वविद्यालय इस दिशा में कार्य कर रहा है। यह विश्वविद्यालय देश का गौरव है। संगीत को विकृत होने से बचाने में महत्व रखता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति पऽश्री श्रीमती मोक्षदा (ममता) चंद्राकर ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की जो पहचान बनी है, उसमें राजा वीरेंद्र बहादुर और रानी पऽावती का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मैं कला और संगीत के प्रति उनकी दूरदर्शिता को नमन करती हूं। राजा परिवार ने इस विद्यालय को जो दान दिया और इस विश्वविद्यालय की स्थापना की है, इससे देश ही नहीं दुनिया में खैरागढ़ की विशिष्ट पहचान बनी है। संगीत महोत्सव के माध्यम से कला में आए परिवर्तन और बदलाव को देख समझ सकते हैं। इस कार्यक्रम को समापन करते हुए अभिभूत हूं। सभी के सहयोग से खैरागढ़ महोत्सव देश में स्थापित समारोह के रूप में महत्व रखता है। उल्लेखनीय है कि 27 अप्रैल 2022 को खैरागढ़ महोत्सव का शुभारंभ हुआ था। जिसका आज गौरवमयी विधिवत समापन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सांसद कोरबा श्रीमती ज्योत्सना महंत, संसदीय सचिव कुंवरसिंह निषाद, विधायक श्रीमती यशोदा नीलाम्बर वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र वर्मा व अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण और छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

कृषि मंत्री ने 39 करोड़ से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की रखी आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने बेमेतरा जिले के साजा विकासखंड के विभिन्न गांवों में 39 करोड़ रूपए से अधिक के अनेक विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कृषि मंत्री श्री चौबे ने ग्राम केछवई में 2 करोड़ 66 लाख की लागत वाले डोटू नाला पर एनीकट-कम रपटा निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके निर्माण से गांव के भू-जल स्तर में वृद्धि होगी और आम नागरिकों को निस्तारी सुविधा का लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्री श्री चौबे ने ग्राम सेमरिया में 13 गली के कांक्रीटीकरण कार्य की आधारशिला रखी। छत्तीसगढ़ कृषि मण्डी बोर्ड द्वारा स्वीकृत 62 लाख 42 हजार रुपए से कांक्रीटीकरण का कार्य किए जाएंगे। इसी तरह उन्होंने ग्राम पंचायत हाटरांका के आश्रित गांव सोनचिरैया में 36 करोड़ 12 लाख रुपए की लागत से बनाने वाले डोटू व्यपवर्तन एवं एलबीसी, आरबीसी लघु नहरों की रि-मॉडलिंग एवं लाईनिंग कार्य का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री चौबे ने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत सालाना 7 हजार दिए जाते हैं। जिसके तहत प्रथम किश्त की राशि हितग्राहियों के बैंक खाते में अंतरित कर दी गई है। कृषि मंत्री ने कहा कि अक्षय तृतीया यानी अक्ती तिहार को माटी पूजन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिए धरती माता की रक्षा की शपथ ली जायेगी।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत रौद्रा के सरपंच अशोक कौशल, सेमरिया सरपंच शिवा ध्रुव, हाटरांका के सरपंच श्रीमती सरस्वती साहू, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग,एस.डी.ओ. लोक निर्माण विभाग, मण्डी बोर्ड के उप अभियंता और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांक :- 202201101000103/ 202201101000103

विषय:- अ-6 अ सन:- 2021-2022

मामले की श्रेणी- राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019 ((हे.))

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - बी. विनोद कुमार,

अनावेदक पक्षकार

ईश्तहार

आवेदक बी.विनोद कुमार पिता पी बालू चेट्टी पता- हुडको भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम कोहका प.ह.न. 19 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 5087 रकबा 0.02 हे भूमि बी.विनोद पिता पी. बालू चिट्टी के नाम से दर्ज है जो त्रुटिपूर्ण है. आवेदक अपना नाम समस्त राजस्व अभिलेख में बी.विनोद कुमार पी बालू चेट्टी दर्ज किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18/05/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/01/2022 को जारी किया जाता है।

YOGENDRA KUMAR VERMA
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

बिलासपुर इकाई द्वारा त्रिदिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बिलासपुर इकाई में छत्तीसगढ़ चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन एवं उनकी पूरी टीम बिलासपुर टीम के साथ मिलकर चेम्बर सलाहकार देवीदास वाधवानी से विशेष रूप से आशीर्वाद प्राप्त कर छत्तीसगढ़ चेम्बर की गतिविधियों से अवगत कराया साथ ही बिलासपुर चेम्बर इकाई को चेम्बर के माध्यम से शासन द्वारा लीज होल्ड से फ्री होल्ड किये जाने एवं फ्री होल्ड पर व्यापारियों के लिये शासन से सरलीकरण की मांग से संबंधित जानकारी दी।

श्री भसीन ने चेम्बर को एक नये मुकाम तक कैसे पहुंचाएं उसके लिए बिलासपुर की पूरी टीम के साथ मिलकर उन्होंने अपना सारगर्भित मार्गदर्शन देते हुए अपना अनुभव साझा किया। बिलासपुर चेम्बर की टीम ने संकल्प लेते हुए श्री भसीन से चेम्बर सदस्यता दिवस (सितंबर माह) तक बिलासपुर के 1000 सदस्यों को चेम्बर से जोड़ने की बात कही।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन बिलासपुर में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता सुपरसिक्स के उद्घाटन समारोह में उपस्थित हुए एवं उस प्रतियोगिता की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के अनेक जिलों में ऐसे ही प्रतियोगिता करवाने पर बल दिया। क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के लिए बिलासपुर युवा चेम्बर की टीम को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आगे कभी भविष्य में रायपुर या भिलाई में क्रिकेट प्रतियोगिता कराई जायेगी तो बिलासपुर इकाई से लिया अनुभव साझा किया जाएगा।

आयुक्त के नेतृत्व में सुबह 6 बजे से ही कार्य पर लग जाते है सभी निगम अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अधिकारी कर्मचारियों ने लोगो को बुनियादी सुविधा मुहैय्या कराने की दिशा में नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी के दिशा निर्देश एवं नेतृत्व में नगर के सभी विभागो के अधिकारियों जैसे स्वास्थ्य विभाग, नल जल विभाग, पी0डब्लू0डी0,विद्युत, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यो में लगे निगम के अधिकारी सुबह 06:00 बजे से अपने-अपने क्षेत्र में ड्यूटी में तैनात हो जाते है।

क्षेत्र में भ्रमण कर लोगो के बुनियादी सुविधाएं जैसे साफ-सफाई, पेयजल, सड़के एवं नालियों की मरम्मत एवं साफ-सफाई के साथ लोगो को होने वाले असुविधाओ की जानकारी लेकर मौके पर ही निराकरण करने की पहल की जा रही है । इस कार्य के लिए निगम आयुक्त ने सभी अधिकारियों की ड्यूटी वार्डवार नोडल अधिकारी के रूप में लगाई है व स्वयं निगम आयुक्त भी वार्डो में पहुंचकर नागरिको से मिलकर समस्याओं से अवगत होकर समुचित दिशा-निर्देश देकर अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा काम को अंजाम दिया जा रहा है । निगम की स्वास्थ्य विभाग, पेयजल विभाग,पीडब्ल्यूडी, विद्युत एवम राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ शहर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से शत-प्रतिशत् हो इस भावना के साथ काम कर रहे है।

जिसमे कार्यपालन अभियंता राजेश पांडेय सहायक अभियंता ,आर के जैन, स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली सभी इंजीनियर, शोएब अली पी,आई,यू शेखर वर्मा जिनका शासन की सभी फ्लैगशिप योजना में बेहतर काम किया है एवम सभी निगम अधिकारी व कर्मचारी की सक्रियता को देखकर शहर के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है । नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं परस्पर जनता को मिले इसलिए शहर विधायक श्री अरूण वोरा, महापौर श्री धीरज बाकलीवाल, निगम आयुक्त श्री हरेश मंडावी ने शहर के नागरिको से अपील व अनुरोध किया है, कि स्वच्छ व सुंदर हो निगम क्षेत्र इस दिशा में निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग प्रदान करते हुए उन्हे मार्गदर्शन देवें । जिससे की वार्डो में काम करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों का मनोबल बना रहे है ।

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri,
Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7
Dakshin gangotri, Supela, Bhilai
Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी
चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI,
Oppo, Vivo, Nokia, HTC,
Blue tooth Charger,
Power Bank, Ear Phone,
BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट,
फ्राक, फैंसी सलवार सूट
एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स,
गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh
Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

चोरी की नीयत से घर में घुस रहा था बदमाश, गार्ड ने पकड़ा

रायपुर (ए)। देवेंद्र नगर इलाके में एक निगरानी बदमाश को चोरी करने से पहले गार्ड ने पकड़ लिया फिर उसे देवेंद्र नगर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। मुख्य मार्ग फाफाडीह गली नंबर-4 निवासी नवीन गावरी ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 10 बजे एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में चुपके से घुस रहा था। उसे रुकने के लिए कहा तो भागने लगा। चोर-चोर चिल्लाने पर नीचे खड़े गार्ड ने उसे पकड़ लिया। गार्ड से खुद को छुड़ाकर वह भागने का प्रयास कर रहा था तभी आसपास के लोग पहुंचे और घेर लिया, जिससे भाग नहीं सका। पूछताछ में उसने अपना नाम जैकी हरपाल बताया। नवीन ने इसकी सूचना डायल-112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपित को पकड़कर थाने ले गई। उसके खिलाफ अपराध कायम कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

खमतराई में 15 किलो गांजा के साथ पकड़ा गया तस्कर

रायपुर (ए)। खमतराई क्षेत्र में 15 किलो 100 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर पकड़ा गया। आरोपित ओडिशा से गांजा लेकर आया था, जिसे रायपुर में खपाने की तैयारी में था। खमतराई थाना पुलिस ने आरोपित पर नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि भनपुरी चौक तिराहा के पास एक व्यक्ति बैग में गांजा लिए बेचने की फिराक में है। इस पर पहुंची पुलिस ने बताए हुलिए के आधार पर तस्कर को दबोच लिया। उसने अपना नाम सोमेश सोनी बताया। वह खमतराई क्षेत्र में रहता है और वहीं काम करता है। उसने पूछताछ में बताया कि वह मूल रूप से कौशाम्बी उत्तरप्रदेश का रहने वाला है।

आंबेडकर अस्पताल में डाक्टर का मोबाइल चोरी

रायपुर (ए)। राजधानी के डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल में चोरों ने एक डाक्टर का मोबाइल पार कर दिया है। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर मौदहापारा पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही छात्रा दीप्ती खलखो ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि गुरुवार को उसकी ड्यूटी वार्ड-23 में लगी हुई थी। वार्ड में रखे टेबल पर मोबाइल रखकर एक मरीज को देख रही थी। इसी दौरान टेबल पर रखे मोबाइल को किसी ने चुरा लिया।

डायल 112 में फोन कर गाली-गलौज तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। डायल-112 में फोन कर महिला स्टाफ से गाली-गलौज करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित काल कर फोन उठाने वालों को से अश्लील बातें भी करते थे। उनके द्वारा आपातकालीन सेवा में व्यवधान पैदा किया जा रहा था। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज किया और आरोपितों को उनके घर से पकड़। पुलिस के मुताबिक मुजगहन का रहने वाला पुसउराम साहू और चंद्रशेखर प्रसाद साहू और तिल्दा नेवरा निवासी भक्तूराम यादव को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

शराब कारोबारी सुभाष शर्मा की जमानत याचिका खारिज

रायपुर (ए)। शराब कारोबारी सुभाष शर्मा की जमानत याचिका कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दी है। सुभाष शर्मा की याचिका पीएमएलए स्पेशल कोर्ट में लगाई गई थी। गौरतलब है कि मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत ईडी ने शराब कारोबारी सुभाष शर्मा को गिरफ्तार किया था। इस मामले में वो पांच मार्च से रायपुर सेंट्रल जेल में है। ईडी के मुताबिक सुभाष शर्मा ने खुद के द्वारा संचालित और नियंत्रित कंपनियों के माध्यम से फर्जी दस्तावेज के जरिए विभिन्ना बैंकों से लोन लिया था। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने करीब 54 करोड़ के घोटाले का मामला दर्ज किया है।

पत्नी के हत्यारे को आजीवन कारावास

रायपुर (ए)। घरेलू विवाद को लेकर करीब तीन वर्ष पहले अपनी पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को कोर्ट ने आजीवन कारावास और एक हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अष्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्रीकांत श्रीवास ने शुक्रवार को यह सजा सुनाई। जानकारी के अनुसार, आरोपी जगतपाल सिंह ने पांच जुलाई 2019 को वीआइपी रोड स्थित एक फार्म हाउस के लेबर रुम में घरेलू विवाद पर अपनी पत्नी मीना बाई की हत्या कर दी थी।

उठाईगीरी की दो वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। शहर में एक ही दिन कार से उठाईगीरी की दो वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 7 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लोग आंध्रप्रदेश, बिहार व तमिलनाडु के हैं। वे रेलवे स्टेशन में आकर ठहरे हुए थे। गिरोह में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। इनके कब्जे से उठाईगीरी का माल बरामद हुआ है।

पहली घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शुक्रवार को इंदू चौक में हुई थी। इस वारदात का शिकार आसमां कॉलोनी निवासी धीरज कुमार झा शिकार हुए थे। उन्होंने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी दौरान शिव टॉकीज चौक से पुराने बस स्टैंड रोड पर शादीघर के पास भी इसी तरह की उठाईगीरी की सूचना मिली। यहां कार का शीशा तोड़कर चोर बैग उठाकर ले गए थे। इसमें 1 लाख 25 हजार रुपए, लैपटाप व जरूरी दस्तावेज थे।

ये आरोपी पकड़े गए

पुलिस ने गिरोह के अनुराम समीर (20), कंजर मोहल्ला वैशाली नगर बिहार, मुकेश नायर (36), क्राईमुतुर, उकडम, तामिलनाडू, राज मराठी (30), वर्धा जिला नागपुर महाराष्ट्र, दीपक भाडे (36), रिंगरोड नागपुर, महाराष्ट्र, लक्ष्मीन मैनपाडे (50), सितूर, बिजयवाड़ा, आन्ध्र प्रदेश, गौरी गायकवाड़ (40), ग्राम सितूर, बिजयवाड़ा, आन्ध्रप्रदेश, राधा गायकवाड़ (53), ग्राम सितूर, बिजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 2 लैपटॉप बैग, एक लैपटॉप, 32 हजार रुपए व घटना में उपयोग में लाया गया पेचकस व अन्य सामान जब्त किया गया है।

गांजा के साथ मध्य प्रदेश के 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में मध्य प्रदेश के आरोपित गांजा के साथ पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। रायपुर पुलिस ने गांजे के साथ मध्य प्रदेश के 2 आरोपितों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार विज्ञान भवन के पास गांजा रखकर बेचने के फिराक में आरोपित खड़े थे। पुलिस को पूछताछ में आरोपितों ने ओडिशा से गांजा लाना बताया। तस्करों के पास से 29 किलो गांजा बरामद किया गया। पंडरी थाना पुलिस ने नार्कोटिक्स एक्ट के तहत आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कम्प्यूटर ट्रेनिंग देने के बहाने 50 से ज्यादा युवाओं से 10-10 हजार ठगे, 2 पर केस

बेमेतरा (ए)। बेमेतरा थाना क्षेत्र में कंप्यूटर ट्रेनिंग के बहाने 50 से ज्यादा युवाओं से 10-10 हजार रुपए की ठगी हुई है। धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी के खिलाफधारा 420, 34 के तहत एफआईआर दर्ज हुआ है। दोनों आरोपी कवर्धा के रहने वाले हैं, जो बेमेतरा के सिंघौरी गांव में किराए पर हॉल लिए थे। वहां 4-5 गांव के युवाओं को कम्प्यूटर ट्रेनिंग के बहाने उनसे 10-10 हजार रुपए ऐंठ लिए और फरार हो गए।

खास बात यह है कि कैश जमा नहीं करने पर ठगों ने युवाओं के घरों में पहुंच बायोमेट्रिक मशीन में अंगूठा लगवाकर भी पैसे निकाले हैं। पैसे लेने के बाद युवाओं को रसीद भी नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक मामला अगस्त 2021 का है। आरोपी रितिक लांझी और रूखमणी मेरावी कवर्धा के रहने वाले हैं। दोनों ने बेमेतरा जिले के ग्राम सिंघौरी में किराए पर कमरा लिया था। कंप्यूटर ट्रेनिंग के बजाने लोलेसरा, बैजी, पेंड्रीतराई व कुछेक अन्य गांवों के 50 से ज्यादा युवाओं से 10- 10 हजार रुपए लिए थे। इन्हें ट्रेनिंग के लिए सिंघौरी बुलाया जाता था। ठगी के मामले में पीड़ित नीतू कोठारी, चंपेश्वर वर्मा, राजकुमार वर्मा ने बताया कि सिंघौरी में उन्हें कंप्यूटर ट्रेनिंग के लिए बुलाया जाता था, लेकिन वहां कंप्यूटर ही नहीं थे। उन्होंने बताया कि आरोपी रितिक और रूखमणी मोबाइल पर नेटवर्क मार्केटिंग बिजनेस के बारे में बताते थे। यही नहीं, 5- 6 युवाओं की टीम बनाकर अलग-अलग गांवों में भेजते, जहां ट्रेनिंग देने लोगों से पैसा जमा कराने के लिए कहा जाता। इसे वे ट्रेनिंग का हिस्सा होना बता रहे थे।

घर आकर दादी के खाते से निकाला 10 हजार

ग्राम बैजी निवासी सोनिया चेलक ने बताया कि 7 महीने पहले 6 लोग घर मे आए थे। इनमें 5 लड़की और 1 लड़का था, जो कंप्यूटर ट्रेनिंग का झांसा देकर बायोमेट्रिक मशीन में दादी का अंगूठा लगवाकर खाते से 10 हजार रुपए निकल लिए। ट्रेनिंग के लिए 1 दिन गई थी, लेकिन वहां नेटवर्क मार्केटिंग की जानकारी देते हुए और लोगों को इससे जोड़ने के लिए दबाव बनाने लगे।

रहने व खाने का पैसा भी युवाओं से ही लिया

ग्राम पेंड्रीतराई की रहने वाली कंचन ने बताया कि ट्रेनिंग के बहाने सभी युवाओं को खरोरा और धमधा ले गए थे। वहां करीब 1 महीने तक रहना था। रहने का 3 हजार रुपए किराया और खाने का पैसा युवाओं से ही लिया गया। जहां हम रुके थे, वहां अव्यवस्था इतनी ज्यादा थी कि हम बीमार पड़ने लगे, तो बीच में ही लौट आए।

पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने दी धमकी

ग्राम लोलेसरा निवासी चंपेश्वर वर्मा ने बताया कि अभी 14 लोग रिपोर्ट दर्ज कराने सामने आए हैं। बाकी स्टूडेंट शिकायत करने से डर रहे हैं। क्योंकि पैसा वापस मांगने पर आरोपियों ने धमकी दी थी कि अगर थाने में एफआईआर कराया, तो उल्टा तुम लोग फंसोगे। इसी डर से बाकी स्टूडेंट शिकायत करने सामने नहीं आ रहे हैं।

जांच करने गए थे, नहीं मिले दस्तावेजः टीआई

बेमेतरा थाना प्रभारी प्रेम प्रकाश अवधिया ने बताया कि आरोपी रितिक व रूखमणी के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है। जांच के लिए शनिवार को सिंघौरी के उस ट्रेनिंग हॉल में गए थे, वहां कोई दस्तावेज नहीं मिले। लेकिन कुर्सी- टेबल लगे हुए थे। आरोपियों की सूचना कवर्धा पुलिस को दे दी गई है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे।

कुएं में मिली युवक की लाश

पानी निकालने गए लोग तब पड़ी नजर पैर फिसलने से गिरने की आशंका

धमतरी (ए)। धमतरी जिले में एक युवक की लाश कुएं में तैरती हुई मिली है। शनिवार सुबह लोग पानी निकालने के लिए कुएं में गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पड़ी थी। जिसके बाद शव को कुएं से बाहर निकाला गया है। मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र का है।

भोयना गांव में सुबह के वक्त लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त थे। इस बीच कुछ लोग गांव के कुएं से पानी निकालने के लिए गए थे। उसी वक्त उन्होंने पानी के अंदर एक लाश तैरते हुए देखी थी। जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस पेट्रोलिंग टीम को दी गई थी। फिर शव को कुएं से बाहर निकाला गया है। शव निकालने पर पता चला कि युवक विकलांग था।

गांववालों का कहना है कि शव किसका है ये उन्हें नहीं पता है। वो गांव का भी नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि युवक पानी निकालने के लिए ही कुएं में गया होगा। इसी दौरान पैर फिसलने से ये हादसा हुआ होगा। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। आस-पास के गांव के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। शव को पीएम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ साफ हो सकेगा। युवक की उम्र 40 से 45 साल के बीच की बताई जा रही है।

रेलवे स्टेशन में विशेष जांच, 74 यात्रियों पर कार्रवाई

बिलासपुर (ए)। जोनल स्टेशन में शनिवार को रेलवे सुरक्षा बल ने विशेष जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर कार्रवाई की। इस दौरान 74 यात्रियों पर रेलवे अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर रेलवे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां पर जुर्माने की कार्रवाई करने के बाद छोड़ा गया। यह अभियान सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक चला। इस जांच से उन यात्रियों में हड़कंप की स्थिति रही, जो ट्रेन में सफर के दौरान नियमों का उल्लंघन कर रहे थे या फिर स्टेशन में सफर के लिए पहुंचे थे। इस दौरान आरपीएफ की टीम रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया व ट्रेन सभी जगहों पर जांच की।

ट्रेनों में दिव्यांग व महिला कोच में दबिश दी गई। महिला कोच में हैरान करने वाला नजारा था। इस आरक्षित कोच में महिला से ज्यादा पुरुष यात्री

सीट पर कब्जा जमाए हुए थे। अलग-अलग ट्रेनों को मिलाकर 27 पुरुष यात्रियों पर रेलवे अधिनियम की धारा 162 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके साथ ही जांच के दौरान ट्रेन व स्टेशन में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक थी। टीम ने 18 यात्रियों पर कार्रवाई की।

कार्रवाई से पहले आरपीएफ द्वारा उन्हें समझाइश देकर यह बताया गया कि स्वच्छता को लेकर देशभर में अभियान चल रहा है। रेलवे में भी इसे लेकर समय-समय पर कार्यक्रम होते हैं। इसके बाद भी गंदगी फैलाना गलत बात है। ट्रेन हो या स्टेशन इन्हें साफ-सुथरा रखकर एक अच्छे यात्री होने का परिचय देना चाहिए था। यात्रियों ने गलती भी मानी। चूंकि उन्हें गंदगी फैलाते हुए पकड़ा गया था। इसलिए ऐसे सभी यात्रियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। साथ ही जांच के दौरान 17 अवैध वेंडर , तीन को स्टेशन में अनाधिकृत प्रवेश और छह लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 159 के तहत अपराध दर्ज किया गया। ये लोग वाहनों को नो-पार्किंग में खड़े किए थे। यात्रा करने समेत कई प्रकरण बनाए गए। सभी पर रेलवे अधिनियम के तहत अपराध भी दर्ज किया गया।

हरियाणा में गिरफ्तार हुआ चिटफंड कंपनी का डायरेक्टर

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर पुलिस की टीम ने हरियाणा से चिटफंड कंपनी पीएसीएल के एक डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। इसके लिए पुलिस को राज्य के अलग-अलग शहरों में कैंप लगाना पड़ा। आरोपित ने जिले के निवेशकों को रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 24 लाख 23 हजार 57 रुपये की धोखाधड़ी की है। शनिवार को आरोपित डायरेक्टर को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

रतनपुर क्षेत्र में पीएसीएल कंपनी के डायरेक्टर अनिल चौधरी लेघा(45) ने रकम दोगुनी होने का झांसा देकर निवेशकों से रुपये जमा कराए थे। बदले में निवेशकों को ब्रांड भी दिया था। जब रुपये देने का समय आया तो कार्यालय बंद कर सभी डायरेक्टर फरार हो गए। एसपी पारुल माथुर ने आरोपितों को गिरफ्तार करने टीम हरियाणा रवाना की। पुलिस की टीम वहां महीनों कैंप लगाकर आरोपित डायरेक्टर की तलाश करती रही।

इसी दौरान पता चला कि आरोपित डायरेक्टर अनिल चौधरी लेघा(45) अपने निवास नेव हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 13 बिवानी में छिपा है। सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपित अनिल को गिरफ्तार कर लिया। उसे लेकर टीम शहर पहुंच गई है। एसपी पार्स्ल माथुर ने आरोपित अनिल लेघा और कंपनी पीएसएल की संपत्ति नीलामी कर धन वापसी करने के लिए कलेक्टर को पत्रचार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपित की संपत्ति की जानकारी ली जा रही है। इसके बाद कुर्क की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875, 99938-08453, 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सेवानिवृत्ति पूर्व कार्यशाला का पुनः आरंभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिक विभाग द्वारा सेवानिवृत्ति पूर्व कार्यशाला का पुनः आरंभ किया गया। कोविड के कारण यह कार्यशाला विगत दो वर्षो से स्थगित की गयी थी। कार्मिक विभाग द्वारा मई 2022 में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के लिए दिनांक 28 अप्रेल, 2022 को मानव संसाधन विकास विभाग के सभागार में सेवानिवृत्ति पूर्व कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) श्रीमती निशा सोनी ने कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र की विशेषता यह है कि कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति के दिन ही उनके सारे अंतिम भुगतान प्रदान किये जाते है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यशाला में भाग लेकर सेवानिवृत्त कर्मचारी पूरी तरह लाभान्वित होंगे एवं अपने भविष्य की तैयारी अच्छी तरह से कर सकेंगे। कार्यशाला में सूरज कुमार सोनी, महा प्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य एवं खदान) भी उपस्थित थे। कार्यशाला के आरंभ में सहायक प्रबंधक (कार्मिक) सुश्री सुष्मिता पाटला द्वारा सेवानिवृत्ति के पश्चात प्राप्त होने वाले अंतिम भुगतान के संबंध में जानकारी प्रदान की गयी। इसके तहत उन्हें ऑनलाइन शुभकामना माड्यूल के द्वारा अंतिम भुगतान के आवेदन एवं मेडिक्लेम आवेदन को दर्ज करने की जानकारी दी गयी। तत्पश्चात श्री राजेश देवांगन, वरिष्ठ स्टाफ सहायक ने मेडिक्लेम स्कीम के बारे में जानकारी दी तथा रिषि शर्मा, वरिष्ठ स्टाफ सहायक ने अग्रज संवाद वेबसाइट के बारे में जानकारी दिया। अग्रज संवाद वेबसाइट द्वारा सेवानिवृत्ति के पश्चात भी कर्मचारी कंपनी के साथ संपर्क बनाकर रख सकते है तथा सेवानिवृत्ति के पश्चात प्राप्त होने वाले लाभों के बारे में समय-समय पर जानकारी ले सकते है।

कल से सेक्टर-1 बीएसपी अस्पताल में 18 से 59 वर्ष आयुवर्ग को लगेगा कोविड टीके का एहतियाती खुराक

भिलाई। 18 से 59 वर्ष आयुवर्ग के बीएसपी कार्मिक तथा उनके आश्रित सदस्य, ठेका श्रमिक तथा वे पूर्व कार्मिक का पति/पत्नी जो कोविड-19 के टीके की दोनों खुराक प्राप्त कर चुके है, वे एहतियाती खुराक (बुस्टर डोज) के लिए पात्र होंगे। उक्त हितग्राही कोविड-19 टीका के दूसरी खुराक लेने के 9 महीनें या 39 सप्ताह या 273 दिन के पश्चात ही पात्र होंगे।

खुद का पक्का मकान नहीं, किराएदारी में कर रहे हैं निवास तो यह योजना आपके लिए है लाभदायी

मोर मकान-मोर चिन्हारी की योजना से मिलेगा आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका खुद का घर हो जहां वह अपने परिवार के साथ हंसी खुशी से रह सके। परंतु कई अभाव के कारण चाहे वह आर्थिक स्थिति हो या जमीन खरीदने की समस्या या फिर मकान निर्माण करने की समस्या हो। कई कारणों से कमजोर वर्ग आए के परिवार को इन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब इन समस्याओं को दूर करने शासन से एक अच्छी स्कीम ऐसे वर्गों के लिए आई है।

जिनके पास देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास नहीं है, 31 अगस्त 2015 के पूर्व भिलाई में निवासरत है, जिनकी आय 3 लाख से कम है, किरायेदारी में निवास कर रहे है और छत्तीसगढ़ प्रदेश का मूल निवासी है। इन्हें मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत आवास का लाभ मिलेगा। सर्वप्रथम नाला, केनाल, झुग्गी, झोपड़ी, स्लम एरिया में निवासरत लोगों को मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत आवास देने की योजना है, ऐसे परिवारों को आवास योजना से जोड़ने अंतिम अवसर दिया जा रहा है उन्हें सूचना देकर 30 दिवस के भीतर निर्धारित राशि एवं दस्तावेज जैसे मतदाता परिचय पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, छत्तीसगढ़ निवासरत होने का साक्ष्य, दिव्यांग हो तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र, पट्टा हो तो पट्टा की मूल प्रति, बैंक पासबुक की छाया प्रति, शपथ पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि जमा करने की सूचना दी जा रही है। इन हितग्राहियों के आवास नहीं लेने पर किराएदारी में रह रहे लोगों को आवास देने का मौका मिलेगा जिसके लिए जल्द ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत माइलस्टोन स्कूल खमरिया में 810, ग्रीन वैली खमरिया में 84, सूर्या विहार मॉल के पास खमरिया में 1120, सूर्या विहार मॉल के पीछे खमरिया में 493, कोहका में 58, कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे खमरिया में 322 एवं एनआर स्टेट खमरिया में 210 मकान का कार्य निर्माणाधीन और प्रगति पर है, इनमें से अधिकतर मकानों का स्ट्रक्चर खड़ा हो चुका है, केवल कुछ कार्य जैसे पानी, बिजली के कार्य ही शेष है। निर्मित मकानों की बात करें तो सर्व सुविधा युक्त आवास में पानी, बिजली, सड़क, नाली जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद है और एक आलीशान कॉलोनी से कम का मंजर नहीं दिखाई देता। अम्रपाली वनांचल सिटी में 312, शांति नगर कोहका में 36, ट्रेंचिंग ग्राउंड कुरूद के समीप 32 इस प्रकार कुल 380 मकान हितग्राहियों के लिए पूरी तरीके से रहने के लिए तैयार हो गए हैं। कई हितग्राही आबंटन के पश्चात इसमें निवासरत भी है। महापौर नीरज पाल ने आवास योजना का लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए है। वही आयुक्त प्रकाश सर्वे ने मोर मकान-मोर चिन्हारी योजना के तहत आवास का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आवास योजना के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करें और निरंतर इसकी मानिटरिंग करते रहे। महापौर व आयुक्त के निर्देश के परीपालन में योजना की प्रभारी अधिकारी विनीता वर्मा ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है और इस आधार पर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

विधायक देवेंद्र यादव ने चखा बासी का स्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 1 मई मजदूर दिवस आज भिलाई सहित पूरे प्रदेश में एक अलग ही तरीके से मनाया गया। प्रदेश के मजदूरों को पूरा सम्मान देने के लिए सीएम भूपेश बघेल आज 1 मई को पार्टी दिवस के रूप में मनाने का फैसला प्रिया है जिसके तहत सीएम भूपेश बघेल के निर्देश व मार्गदर्शन पर भिलाई नगर के युवा विधायक देवेंद्र यादव ने भी जमकर बासी खाया। बासी में नमक और दही मिलाकर प्याज, आचार,आम की चटनी आदि के साथ बासी का स्वाद चखा।

इस दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि माननीय भूपेश बघेल जी मजदूरों के सम्मान में जो पहल किए हैं वह काफी सराहनीय है हम सबको बासी जरूर खाना चाहिए यह काफी स्वादिष्ट है और स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही ज्यादा लाभदायक है मैं आज ही नहीं इससे पहले भी गर्मी के दिनों में बासी खाता रहा हूं गर्मी में बासी मेरा पसंदीदा व्यंजन है इससे शरीर स्वस्थ रहता है और गर्मी के दिनों में लू लगने का खतरा भी नहीं रहता बासी का पसिया पीने से प्यास भी कम लगता है और अच्छी नींद आती है ऐसे तो बांसी के कई फायदे हैं।

मजदूरों के सम्मान में बासी दिवस इस बात को प्रमाणित करता है कि हमारी सरकार गरीब मजदूरों की सरकार है जो इनके हक और अधिकार का पूरा ख्याल रखती है।

पर्यावरण व उद्यानिकी प्रभारी सत्यवती वर्मा ने ली विभागीय समिति के सदस्यों के साथ बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन में पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग प्रभारी श्रीमती सत्यवती वर्मा द्वारा आज अपने एमआइसी कक्ष में विभागीय समिति की बैठक लेकर कहा कि वार्ड 39 में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटा कर गार्डन निर्माण करने की आवश्यकता है जिससे वार्ड के नागरिक गार्डन में सुबह मॉर्निगवॉक कर सके व गार्डन में बच्चे खेल सके।कर्मचारी नगर स्थित गार्डन में मरम्मत/संधारण कार्य,वार्ड 18 एवं 56 में रिक्त भूमि पर निगम द्वारा गार्डन निर्माण की भी आवश्यकता है जहां वार्डवासी गार्डन का आनंद ले सके,साथ ही पद्मनाभपुर स्थित अम्बेडकर एवं एमआईजी गार्डन में प्रकाश व्यवस्था व बैठने के लिए चेयर व्यवस्था समेत वार्ड 15 स्थित गार्डन में मरम्मत/संधारण कार्य और आयुर्वेदिक अस्पताल के पास फेंसिंग कार्य और राजेन्द्र पार्क में पानी व्यवस्था हेतु बोर खनन,अटल उद्यान में विद्युत व्यवस्था और चेयर उपलब्ध करने के संबंध में समितियों के सदस्यों के साथ बैठक में चर्चा की गई।बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा इस सभी विषयों पर सहमति दी गई है। बैठक में समिति के सदस्य श्रद्धा सोनी, श्रीमती हेमा शर्मा, श्रीमती निर्मला साहू,श्रीमती उषा ठाकुर, सहायक अभियंता वीपी सिंह,उद्यान निरीक्षक अनिल सिंह,पुरषोत्तम साहू मौजूद थे। साथ ही का निर्णय विभागीय समिति द्वारा लिया गया।

पानी की समस्याओं का समाधान करने वार्ड क्षेत्रों में दस्तक देंगे जोन के अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सभापति और नेहरू नगर जोन समिति के अध्यक्ष गिरवर बंटी साहू ने जोन 1 के निगम कार्यालय में पेयजल को लेकर बैठक ली। उन्होंने कहा कि वार्ड के पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम के जोन के अधिकारी संबंधित वार्ड के पार्षदों के साथ फील्ड का निरीक्षण कर ले, तथा समस्या होने पर उसका समाधान करें, जो समस्याएं मौके पर हो सकती है उसे त्वरित निराकरण कर ले। जहां भी वार्ड क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान पावर पंप एवं हैंडपंप इत्यादि खराब पाए जाए उन्हें तत्कालिक

रूप से सुधार की व्यवस्था करें। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने भीषण गर्मी को देखते हुए अधिकारियों को अलर्ट रहने कहा है, साथ ही पावर पंप और हैंडपंप जैसे खराबी आने पर इसके लिए पहले से ही हर जोन में तैयारी रखने के निर्देश उन्होंने दिए हैं, इसके लिए जमीनी स्तर पर गैंग की व्यवस्था भी की गई है। पेयजल समस्या से निपटने निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर हर स्तर पर तैयारी रखी जा रही है। हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से पानी की समस्याओं और शिकायतों के निराकरण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सभापति गिरवर बंटी साहू ने नेहरू नगर जोन के पार्षदों से पेयजल को लेकर बात की और अधिकारियों को प्रत्येक वार्ड क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं का समाधान करने कहा। इस दौरान जोन के कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, प्रभारी सहायक अभियंता आलोक पसीने आदि मौजूद रहे।

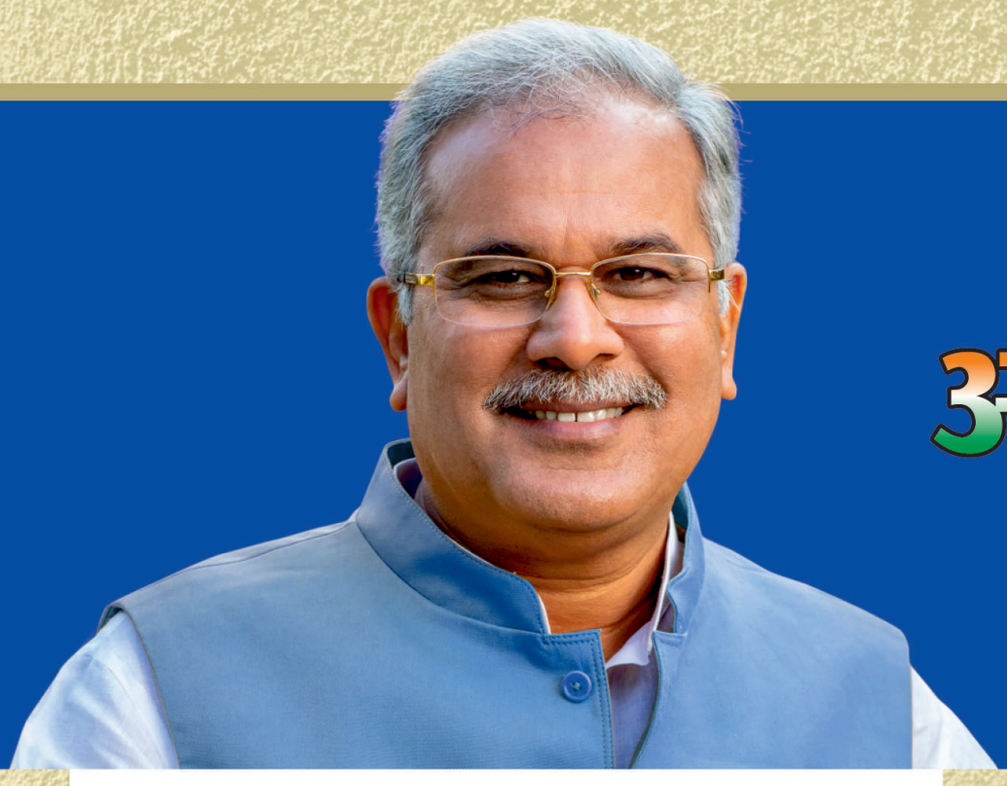

1 मई

अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

पूरी निष्ठा से देश के निर्माण कार्य में योगदान दे रहे

हर श्रमिक का आभार

बोरे बासी खाकर
आईए करें श्रमिकों का सम्मान

हमें युवा पीढ़ी को छत्तीसगढ़िया आहार और संस्कृति के प्रति गौरव का अहसास कराना होगा। हम सब छत्तीसगढ़िया 1 मई को बोरे बासी खाएं और अपनी संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करें।

मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि आने वाले दिनों में भीषण गर्मी से अपना और अपने परिवार का बचाव करें

- भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बासी को ना टालो हांसी में

गजब बिटामिन भरे हे छत्तीसगढ़ के बासी में

भीषण गर्मी से बचाव के लिए बरतें सावधानी

- लंबे समय तक बाहर रहने व धूप में जाने से बचें
- अधिक मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का इस्तेमाल बढ़ाएं
- बोरे बासी मे भरें हैं अनेक गुण, गर्मियों में लू से बचाये
- खाने में स्वच्छता का ध्यान रखें
- लू से बचने के गुणों से भरपूर बोरे बासी खाएं
- सूती और आरामदायक कपड़े पहनें

RO-3233/81

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950